ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 315 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 मई 2025 मंगलवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सुरक्षा कारणों से सीमा के आसपास हवाई उड़ानें अचानक रद्द, कश्मीर में चल रही जबर्दस्त मुठभेड़

एक और पाकिस्तानी दावे का दम निकला

आदमपुर एयरबेस पर पहुंचे पीएम मोदी, सैनिको का बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे और उन्होंने एयरबेस पर सैनिकों से मुलाकात की। मोदी की इस यात्रा के कई निहितार्थ भी हैं। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस को निशाना बनाया है। उधर जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी का दौर सीजफायर के बाद भी ऊपरी तौर पर शांत नजर आ रहा है लेकिन अंदरूनी तौर पर अभी तनाव महसूस हो रहा है। माना जाता है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है लिहाजा संभावित खतरों को देखते हुए भारत अब तक हाईअलर्ट मोड पर है और बॉर्डर इलाकों से होकर गुजरने वाले हवाईजहाजों के लिए कंपनियों ने नई एडवाइजरी जारी की है। एअर इंडिया ने आज आठ प्रमुख शहरों से आने-जाने वाली उड़ानों को रद्द करने का ऐलान किया है और हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। प्रभावित एयरपोर्ट्स में जम्मू, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट शामिल हैं। एयरलाइन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'हालिया घटनाक्रमों और आपकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ानें रद्द की हैं। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं।'

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आज सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है और शुकरू के जंगलों में जबर्दस्तएनकाउंटर जारी है। आज ही पहलगाम हमले में शामिल 3 पाकिस्तानी आतंकियों के पोस्टर भी जारी किए गए हैं तथा इन पर 20 लाख रुपए के इनाम रखा गया है। उधर जम्मू-कश्मीर के राजौरी, साबां, कुपवाड़ा और बारामूला में स्कूल बंद हैं। राजस्थान के जैसलमेर में भी यही स्थिति है। दरअसल, सोमवार रात जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में ड्रोन दिखे हैं। हालांकि सेना ने कहा कि दुश्मन के किसी ड्रोन की सूचना नहीं है। सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर बीती रात ही कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ स्थगित है, बंद नहीं की गई है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत के बाद पाकिस्तानी गोलाबारी में 5 आर्मी और दो बीएसएफ जवान शहीद हो चुके हैं, 60 घायल हैं।

पाकिस्तान ने कबूला खुद का नुकसान

■ उधर अपने देश में जश्न मनाने के बाद अब आज पाकिस्तान ने कुबूल कर लिया है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके 11 सैनिक मारे गए है और 78 कर्मी घायल हो गए। वहीं भारतीय सेना ने अपनी जवाबी कार्रवाई के बाद जानकारी में बताया था कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 आतंकी और उसके बाद जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 40 जवान और अधिकारी मारे गए हैं।

आतंकियों के पोस्टर जारी, 20 लाख ईनाम

■ भारतीय सेना ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में पहलगाम आतंकी हमले के दोषी आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। सेना का मानना है कि ये आतंकी हमले के अंजाम देने के बाद अनंतनाग से शोपियां की तरफ चल गए हैं। जानकारी देने वालों के 20 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा भी की गई है। कांग्रेस ने कहा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्ट का हवाला देते हुए पूछा है कि क्या अमेरिका के दबाव में कश्मीर पर देश की नीति बदल दी गई है? उन्होंने सरकार से पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष विराम की शर्तों को भी सार्वजनिक करने की मांग की है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम ने अमेरिका के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा, तो क्या कश्मीर मुद्दे पर अमेरिका की मध्यस्थता स्वीकार कर ली गई है।

बलूचिस्तान बड़ा मौका चूक गया

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सात मई और नौ मई की रात जब भारत पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा था उस दौरान बलूचिस्तान पाकिस्तान से अलग राष्ट्र घोषित करने का मौका चूक गया। खासतौर से सीजफायर के बाद पाकिस्तान ने नौ मई के जब दोबारा हमले हुए तब भारत यह अवसर चूक गया। बलूस्तिान बरसों से पाकिस्तान से अलग होने का ख्वाब दे रहा है। बलूचिस्तान ही क्यों पाक के सबसे छोटे प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भी इसी मांग उठ रही है और पीओके के साथ गिलगिट-बालटिस्तान में भी आजादी की तहर उठ रही हैं।

इसमें कोई शक हीं कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान, बलूचिस्तान ने भी साथ में कदमताल करते हुए पाकिस्तान को कई तरह से नुकसान पहुंचाया। उसने पाकिस्तान सेना और सुरक्षाबलों को निशाना बनाया, जिससे कई सरकारी संस्थानों को नुकसान हुआ और लोगों की जान गई। साथ ही, बलूचिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान के भीतर अशांति और अलगाववाद को बढ़ावा दिया, जिससे देश की एकता और स्थिरता को खतरा पैदा हो गया.बलूचिस्तान के विद्रोहियों ने पाकिस्तान सेना और सुरक्षाबलों पर हमले किए, जिनमें कई सैनिक मारे गए और घायल हुए। उसने सरकारी इमारतें और पुलिस स्टेशन जला दिए गए या उन्हें नुकसान पहुंचाया गया। बलूचिस्तान में विद्रोहियों के हमलों से कई परियोजनाओं को नुकसान हुआ और व्यापार व उद्योग प्रभावित हुए, जिससे पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान हुआ.बलूचिस्तान में हो रही हिंसा और विद्रोह ने पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय छवि को खराब किया है, । बलूचिस्तान में हुए विद्रोह और संघर्ष ने पाकिस्तान को सैन्य, आर्थिक और राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाया है, जिससे देश की एकता और स्थिरता को खतरा पैदा हो गया है? हालाकि मौके अभी पूरी तरह से हाथ से नहीं गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया है कि अब बात होगी तो पीओके और आतंकवाद की। यानि बलूचिस्तान में चल रही हिंसा भी बातचीत के दायरे से बाहर नहीं होगी। खैबर पख्तूनवा और बलूचिस्तान को इरान से भी मदद मिल रही है जिसकी सरहद इन राज्यों से मिलती है। बात यह भी चल निकली है कि 1971 के युद्ध के दौरान इंदिराजी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करा दिए थे। लेकिन 54 साल बाद हम देख रहे हैं कि वही पूर्वी पाकिस्तान जिसे बांग्लादेश कहा जाता है पाकिस्तान और चीन की गोद में बैठकर भारत के हितों को ही नुकसान पहुंचा रहा है। लेकिन बलूचिस्तान बना तो उन्हीं हालात का सामना पाकिस्तान और चीन को करना होगा। बलूचितान स्वतंत्र देश घोषित हुआ तो भारत को एशियाई शक्ति बनने में काफी बल मिलेगा। बलूचिस्तान के पास क्या नहीं है। ग्वादर के बतौर विश्व का सबसे सबसे गहरा बंदरगाह है। पाकिस्तान की कुल आबादी का 44 फीसदी क्षेत्रफल है। खेती भले ही 5 फीसदी है, लेकिन ऊबड़ खाबड़ बलूचितान में अपार खनिज संपदा के साथ गैस के भंडार हैं जिन पर पाक, चीन के साथ इरान की भी नजर है।

सीबीएसई की 12वीं : मप्र में 82 फीसदी उत्तीर्ण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट आज जारी कर दिया है। इस साल 88.39% स्टूडेंट पास हुए हैं। जबकि मध्यप्रदेश का रिजल्ट 82.46 प्रतिशत रहा है। यहां करीब 78 हजार

बच्चों ने परीक्षा दी थी। रिजल्ट सीबीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट पर देखा जा सकता है। सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हुई थीं। लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 91% से ज्यादा रहा, जो लड़कों से 5.94% अधिक है। ज्ञात हो कि बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है।

शेयर बाजार में कल कमाल आज भूचाल, 1 लाख करोड़ रुपए डूबे

मुंबई, एजेंसी।

आज कारोबारी हफ्ते के दूसरे ही दिन शेयर बाजार भारी उलटफेर का शिकार हुआ है। सेंसेक्स करीब 700 अंक गिरकर 81,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है तो निफ्टी में भी करीब 200 अंक की गिरावट है, ये 24,750 के स्तर पर है। जबकि कल यह दोनों जबर्दस्त उछाल पर थे। सेंसेक्स ने 2500 अंको की छलांग लगा दी थी। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट है। इंफोसिस और जोमैटो के शेयर करीब 2.5त्न नीचे है। सनफार्मा और बजाज फाइनेंस के शेयर मामूली तेजी है।निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में गिरावट है। एनएसई आईटी इंडेक्स में 1.50त्न की गिरावट है। ऑटो, रियल्टी और एफएमजीसी इंडेक्स करीब आधा फीसदी नीचे हैं। बताया जा रहा है कि इस गिरावट से आज निवेशकों को करीब 1 लाख करोड़ रूपए डूब गये हैं। भारत व पाक के बीच सीजफायर के बाद कल बाजार पर दिखी रौनक आज गायब है। बाजार के जानकारों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव कम होने और सॉवरेन क्रेडिट अपग्रेड के कारण कल सोमवार को बाजार में तेजी देखने को मिली थी। उधर एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 653 अंक चढ़कर 38,297 के स्तर पर है। वहीं, कोरिया का कोस्पी 6 अंक चढ़कर 2,613 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में गिरावट है,जबकि, चीन के संघाई कंपोजिट में मामूली तेजी है।

यादव कैबिनेट ने आपरेशन सिंदूर के लिए पीएम का जताया आभार

18 हजार करोड़ की सरकारी गेंहूं खरीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आज मप्र की यादव मंत्रिपरिषद ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान के विरुद्ध संचालित ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक का उपयोग करते हुए, कम समय में तीव्र गति से की गई कार्रवाई से विश्व, भारत के बदलते दौर के नेतृत्व की क्षमता से परिचित हुआ है। मुख्यमंत्री कैबिनेट बैठक में एजेंडे पर चर्चा से पूर्व गेहूं उपार्जन की स्थिति पर मंत्रियों को बताया कि 74.42 लाख मैट्रिक टन भंडारण में आ गया है। किसानों को 18 हजार 471 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है, केवल 400 करोड़ रुपए का भुगतान शेष है, जो शीघ्र होगा। इसके अलावा महाराष्ट्र के साथ नदी जोड़ो अभियान के लिए एमओयू, महाराष्ट्र और आगामी दिनों में की जाने वाली सांस्कृतिक- धार्मिक व इतिहास

केंद्रित गतिविधियों, प्रदेश में निवेश संवर्धन और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए बेंगलुरु और इंदौर में होने वाले आयोजनों तथा 20 मई को इंदौर में होने वाली मंत्रीपरिषद की बैठक व विजन डॉक्यूमेंट@2047 के संबंध में भी मंत्रियों को अवगत कराया गया।

हाथी प्रबंधन के लिए बजट : कैबिनेट आज छत्तीसगढ़ से आने वाले जंगली हाथियों के प्रबंधन परफैसला कर रही है। हाथियों के प्रबंधन को लेकर नीति के साथ बजट को भी मंजूरी दी जाएगी। दरअसल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और संजय डुबरी टाइगर रिजर्व में 150 से अधिक जंगली हाथी हैं। कई बार ये छत्तीसगढ़ से आकर यहां रहवासी क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। हाथियों के आदिवासियों के गांवों में घुसने से इंसानों और हाथियों के बीच टकराव का खतरा बढ़ता है। छह माह पहले कोदो की फंगस लगी फसल खाने के कारण 11 हाथियों की मौत हो गई थी।

जहरीली शराब से 15 मौतें, 6 की हालत नाजुक

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 की हालत गंभीर है। पूरा मामला मजीठा के मड्डई गांव और भागली गांव का है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतकों का

पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि देर रात सूचना थी कि जहरीली शराब पीने से मर रहे हैं, तुरंत कार्रवाई में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है तथा मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर लिया। जांच की जा रही है कि शराब किन कंपनियों से खरीदी है। इस घटना के बाद छापेमारी चल रही है। घर-घर जाकर उन लोगों की पहचान की जा रही है जिन्होंने शराब पी हो सकती है, ताकि और अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।

मेट्रो एंकर मैदान पर आक्रामक अंदाज़ दिखाने वाले विराट फैसले पर भी *आक्रामक* ही रहे!

किंग कोहली की टेस्ट से विदाई, शान से खेला व छोड़ा

आलोक गोस्वामी।

जिसका अंदेशा कुछ दिन पूर्व हो गया था, वही हुआ। हालांकि इस होनी को टालने की लिये भरसक कोशिशें परदे के पीछे जारी थीं मगर भारतीय क्रिकेट इतिहास में सबसे फिट खिलाड़ी विराट कोहली ने 38 की उम्र में टेस्ट क्रिकेट से सन्यास की घोषणा कर ही दी। इससे आईपीएल की लोकप्रियता, रोमांच ओर व्यवसाय में व्यस्त बीसीसीआई के लिए आने वाला इंग्लैंड दौरा क्रिकेट का अब असल टेस्ट साबित होगा। दरअसल नए वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र(2025-27) की शुरुआत के तहत 20 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से दो दिग्गजों के संन्यास लेने की वजह से यह हालात बने हैं। वैसे तो कप्तान रोहित शर्मा के सन्यास की घोषणा के बाद ही विराट कोहली ने भी अपनी इच्छा बीसीसीआई को बता दी थी। रिटायरमेंट को लेकर पुनर्विचार संबंधी बोर्ड के स्वार्थी अनुरोध के बाद भी विराट कोहली ने अपने फैसले पर अडिग रहते हुए आज अधिकृत रूप से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कर दिया। यह बात इसलिए कही जा सकती है कि अगर बीसीसीआई को इंग्लैंड दौरे के लिए वाकई खिलाड़ियों के तजुर्बे की अहमियत होती तो फिर कप्तान रोहित शर्मा के साथ भी ऐसा बर्ताव किया जा सकता था। कहीं न कहीं विराट कोहली के जहन में यह बात जरूर होगी जिस वजह से शायद उन्होंने अपना फैसला नहीं बदला। कोहली ने बीसीसीआई के प्रस्ताव को ठुकराकर सही ही किया। बोर्ड के तानाशाह रवैये को देखते हुए फैसला शत प्रतिशत सही लगता है। वरना वो दिन दूर नहीं था जब अश्विन,रोहित शर्मा की तरह उनकी विदाई भी चयनकर्ताओं के मार्फत तय कर दी जाती। भारतीय क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी के सम्मान में फेयरवेल टेस्ट की परंपरा तो अब खत्म ही कर दी गई है। मतलब साफ है कि खिलाड़ी का कद कितना भी बड़ा क्यों न हो ,सच तो यह है कि अब क्रिकेट बोर्ड और उसके चयनकर्ताओं ने ही खिलाड़ियों की विदाई को वीआरएस जैसी सुविधा उपलब्ध करवा दी है। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा व रविचंद्रन अश्विन का वीआरएस इसी बात का इशारा करता है, लेकिन मैदान के आक्रामक विराट कोहली ने अपने फैसले में भी यही रुख कायम रखा। इसीलिये विराट खिलाड़ी का फैसला भी किंग अंदाज वाला ही रहा, यानि किंग कोहली ने खेला भी शान से व छोड़ा भी शान से।

प्रेमानंद दरबार में अनुष्का संग विराट

मथुरा। क्रिकेटर विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन यानि आज सुबह मथुरा के वृंदावन पहुंचे। उन्होंने केली कुंज आश्रम में प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया, उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी साथ रहीं। दोनों ने प्रेमानंद महाराज से करीब 15 मिनट बात

की और आश्रम में 2 घंटे से ज्यादा रहे। प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जाने के करीब आधे घंटे बाद विराट-अनुष्का लौटे। इस दौरान विराट-अनुष्का ने आश्रम के कामों को देखा-समझा। विराट का वृंदावन का यह तीसरा दौरा था। ज्ञात हो कल कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा था- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे।

एक नजर इधर भी....

राजधानी में यह नजारा है भानपुर रोड का। यहां हर रोज सुबह से शाम तक यही दृश्य दिखते हैं। नगर निगम की लापरवाही के कारण सड़कों पर पसरा अतिक्रमण हर दिन और ज्यादा नजर आता है। जिसके कारण रोज सड़क पर गाड़ियों का जाम लगता है तथा जरूरतमंद लोग घंटों परेशान होते हैं। दुर्घटना भी होती रहती हैं।

फोटो भूपेंद्र सिंह

पुराने इलाकों में तो पैदल चलना भी हो रहा दूभर

हमीदिया रोड का एक हिस्सा अतिक्रमण से आजाद करने की शुरू हुई नई पहल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए और पुराने शहर में एक समस्या जो समान रूप से विकराल हो रही है वह है अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात। राजधानी के पुराने इलाकों में तो पैदल चलना भी दूभर हो गया है। ऐसे में फिलहाल हमीदिया रोड के भोपाल टॉकीज चौराहा से नादरा बस स्टैंड चौराहा के बीच के हिस्से को आदर्श रोड बनाने की कवायद शुरू की गई है। इस बार पहल भोपाल ट्रैफिक पुलिस और व्यापारियों की है।

करीब पांच सौ मीटर की इस सकड के दोनों ओर दुकानें संचालित करने वाले करीब सौ व्यापारियों ने भी इस पर सहमति दे दी है इसके चलते 22 मीटर चौड़ी इस सड़क को तीन हिस्से में बांटने की योजना है। इनमें मुख्य सड़क, पार्किंग और पैदल यात्री जोन शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के असिस्टेंट प्रोफेसर मयंक दुबे ने पुलिस के अनुरोध पर इसका खाका तैयार किया । यह शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल है। हालांकि सड़क के इस हिस्से के बाद भी भोपाल टाकीज से करोंद भानपुर जाने वाली सडक भी सुधार मांग रही है।

हर दिन गुजरते हैं 4-5 हजार वाहन

बताया जाता है कि पुलिस की हमीदिया रोड व्यापारी संघ से हुई बातचीत में तय हुआ है कि एक ऐसी कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि यहां रोजाना लगने वाले ट्रैफिक जाम से निजात मिल सके। हर घंटे में यहां से 4 हजार से 5 हजार वाहन गुजरते हैं। इसलिए आदर्श रोड के पहले चरण के तहत फिलहाल भोपाल टॉकीज चौराहा से नादरा बस स्टैंड चौराहा को चुना गया है। सड़क का निर्माण तो शुरू हो गया है पीडब्ल्यूडी की मदद से जरूरी रोड इंजीनियरिंग भी कराई जा रही है। हमीदिया रोड व्यापारी संघ के सदस्य संतोष लालचंदानी का कहना है कि आदर्श सड़क के लिए हमने पथ प्रहरी सहभागिता की भी योजना बनाई है। हर 100 मीटर के हिस्से में एक पथ प्रहरी नियुक्त किया जाएगा, जो सहमति से तय दिशा-निर्देशों के अनुसार सड़क प्रबंधन करेगा। यह प्रहरी स्थानीय बीट पुलिस के संपर्क में रहेगा। यह मॉडल सड़क इस्तेमाल करने वालों में जिम्मेदारी की भावना जगाएगा तो व्यावसायिक गतिविधियों में कोई बाधा नहीं आएगी।

क्या है आदर्श रोड का खाका

इसमें कैरेज वे होगा। अभी हमीदिया रोड का पूरा राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) 22 मीटर है। सड़क के बीच में डिवाइडर बनाने, पाथ वे छोड़ने और पार्किंग एरिया के बाद जो हिस्सा वाहनों के चलने के लिए बचेगा, वह कैरेज वे कहा जाएगा। फिर मल्टी यूटीलिटी जोन के तहत पार्किंग, साइनेज, पब्लिक ट्रांसपोर्ट स्टॉप इस हिस्से में अलग रंग से डिजाइन होंगे। इसमें व्यापारियों और ग्राहकों के अलावा लोडिंग-अनलोडिंग वाहनों के लिए भी खड़े होने के लिए अलग जगह निर्धारित होगी। पाथ वे के तहत सड़क के दोनों ओर मशीन, पंप, इंजन और ऑटो पार्ट्स की दुकानें ज्यादा हैं। इसलिए यहां महिलाओं और बच्चों की आवाजाही न के बराबर है। इसलिए फुटपाथ डिजाइन न करते हुए, एक ऐसी लेन बनाने की योजना है, जिस पर से पैदल यात्री आसानी से आ-जा सकें।

प्रदेश में दौड़ रहे दिल्ली, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के अनफिट वाहन

खटारा वाहनों से जानमाल की हानि ही नहीं, पर्यावरण को भी नुकसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में बाहरी राज्यों के अनफिट वाहन दौड़ रहे है, जिनकी वजह से जानमाल को तो नुकसान है ही, पर्यावरण भी खतरे में पड़ गया है। ये वर्षों पुराने वाहन है, जिन्हें मामूली कीमत में प्रदेश के लोगों को बेचा जा रहा है, क्योंकि मप्र में कई लोगों की क्षमता नए वाहन खरीदने की नही हैं, इसका फायदा एजेंट उठा रहे हैं। इनका जाल ग्रामीण स्तरों तक फैला है।

ये बाहरी राज्यों में एक तरह से अनफिट हो चुके वाहनों को लाते हैं और एक चेन के तहत लोगों को बेच रहे हैं। जिस पर रोक–टोक नहीं है। यही वाहन सड़कों पर दौड़ते है और दुर्घटनाओं का कई बार कारण बन रहे हैं। प्रदेश में कई घटनाएं हो चुकी है, जिसमें लोगों की जान जाती रही है। भोपाल में स्कूली बस से महिला डॉक्टर की मौत के बाद अब वाहनों की फिटनेश जांच के निर्देश है लेकिन बाकी के अभियानों की तरह यह भी महज खानापूर्ति ही साबित होगा।

पर्यावरण को बड़ा खतरा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं–

पुराने वाहन, अधिक धुंआ छोड़ते है, जिसकी वजह से पर्यावरण में कार्बन डाइआक्साइड का स्तर बढ़ जाता है। कमोवेश यह स्थिति प्रत्येक महानगर में बन रही है, प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर, इंदौर व जबलपुर इससे अछूते नहीं है। वाहनों की नियमित जांच नहीं होने के चलते इस तरह की स्थिति बन रही है। पीयूसी कराने के नियम तो है लेकिन उसे भी अनिवार्य नहीं किया है। आरटीओ के स्तर पर भी कई कमियां है, जिसके कारण

सीएम को कहना पड़ा, अभियान चलाकर जांच करें

भोपाल की घटना के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव को कहना पड़ा कि प्रदेश में वाहनों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाए। उसमें प्रत्येक वाहनों की फिटनेश जांचें, उसके पास पीयूसी है या नहीं, यह देखें। यदि वाहन चलने योग्य न हो तो खड़ा करवा दें। किसी भी तरह की कोई छूट न दी जाए। खासकर बड़े वाहनों पर विशेष नजर रखें। शहर में ट्रेफिक व्यवस्था अच्छी हो, इसका ध्यान रखें।

वेतन वृद्धि का वित्तीय लाभ 6 सप्ताह में 7% ब्याज के साथ मिलेगा

आखिरकार पेंशनरों के पक्ष में आया फैसला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विगत तीस जून व इकतीस दिसंबर को सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को अब 1 जुलाई व 1 जनवरी को एक वेतनवृद्धि देने के संबंध में पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका में उच्च न्यायालय जबलपुर ने पेंशनरों के पक्ष में निर्णय पारित किया । एसो की ओर से प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना एवं नर्मदापुरम के अध्यक्ष दिनेश चतुर्वेदी द्वारा याचिका प्रस्तुत की गई थी। न्यायालय ने आदेश में पिछले पारित आदेश संदर्भित कर निर्णय दिया है। आदेश में न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वित्तीय लाभ केवल 1 मई 23 से 7त्न ब्याज के साथ दिया जाएगा, साथ ही वेतनवृद्धि उपरांत सभी परिणामी लाभ देने के भी आदेश दिए। न्यायालय ने सिद्धराज (सुप्रा) मामले में पारित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश अनुसार बड़ी हुई वेतनवृद्धि का लाभ 6 सप्ताह की अवधि के भीतर करने के भी आदेश शासन को दिए हैं।

उच्च शिक्षा : 15 मई से कॉलेज प्रवेश की तैयारी, जिलों में नोडल अधिकारी किए गए नियुक्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी व निजी कॉलेजों में प्रवेश को लेकर तैयारियां लगभग पूरी कर ली है। इस बार कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू करने की तैयारी है। वहीं दूसरी ओर विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके लिए इस बार सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में मध्य प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाने के लिए विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस संबंध में विभाग ने आदेश जारी किए हैं। हर जिले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो प्रवेश से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उच्च शिक्षा संचालनालय से समन्वय स्थापित करेंगे। इन नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत जारी दिशा-निर्देशों का पालन कराएं और प्रतिदिन प्रवेश से संबंधित रिपोर्ट अतिरिक्त संचालक को भेजें। इसके अलावा अतिरिक्त संचालक संभाग स्तर पर निगरानी कर आयुक्त को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

आज से सीयूईटी यूजी की परीक्षाएं शुरू?

भोपाल। सीयूईटी यूजी एग्जाम मंगलवार से शुरू हो गए हैं। 13 से 16 मई तक आयोजित होने सीयूईटी यूजी एग्जाम के लिए प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं और इसके लिए सिटी इंटीमेशन स्लिप भी जारी की जा चुकी है। यह परीक्षा 15 विषयों के लिए देशभर में और देश के बाहर कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट यानी सीबीटी मोड में आयोजित किया जाएगा। इसके लिए हर दिन तीन पाली होंगी। उम्मीदवारों ने जो सब्जेक्ट्स चुने हैं, उसके अनुसार उनकी शिफ्ट तय की गई है। एनटीए ने अपने नोटिस में लिखा है कि यदि सिटी स्लिप या एडमिट कार्ड में कोई गलती है, तो कैंडिडेट्स तुरंत हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं या ईमेल कर सकते हैं।

बारिश से पहले सड़क सुधारने सर्वे शुरू, 15 जून से सुधरेंगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब नगर निगम ने बारिश से पहले शहर की सड़कों के सुधार के लिए सर्वे शुरू कर दिया है। 30 मई तक, सड़कों की सूची तैयार होगी। 15 जून से पहले सड़कों को दुरुस्त किया जाएगा। जो सड़कें परफॉर्मेंस गारंटी में हैं, उन्हें संबंधित कांट्रेक्टर को ही रिपेयर करना होगा। बाकी सड़कों को सुधारने के लिए निगम ने सात एजेंसियों से करार किया है। इनमें से 5 एजेंसियां सीमेंट-कांक्रीट और 2 एजेंसियां डामर रोड का काम करेंगी। इस बार बरसात से पहले नाला सफाई की तरह सड़क सुधार का अभियान शुरू किया जा रहा है। निगम ने बजट में सड़क सुधार के लिए 96 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह राशि राज्य सरकार से मिलेगी। जनप्रतिनिधियों की निधि का भी इसमें उपयोग होगा। इस वक्त करोंद, भेल, अवधपुरी, गोविंदपुरा, भानपुर, ईटखेड़ी, पुराने भोपाल के अंदर की सड़कें, अशोका गार्डन में सेमरा और अन्य इलाकों को जाने वाली सड़क समेत अन्य इलाकों में सड़क खराब होने की ज्यादा शिकायतें हैं।नये भोपाल की कुछ सड़कें भी जर्जर हो रही हैं।

मानसून से पहले ....

भोपाल। नगर निगम इन दिनों नालों की सफाई का अभियान चला रहा है। इसके अंतर्गत जोन 04 नादरा बस स्टैंड से कबाड़ खाना, सिंधी चौराहा तक नालों का सफाई अभियान का निरीक्षण महापौर ने किया। यह अभियान 30 मई तक चलेगा।

मेट्रो एंकर | सेवासदन: 47 पुरुष और 68 महिलाओं का किया गया परिक्षण

शिविर में 108 रोगियों के नेत्र-दंत रोगियों की जांच

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा गुरूद्वारा टेकरी साहिब में नेत्र एवं दंत रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 108 रोगियों की आंखों एवं दांतों की जांच की गई । इनमें 47 पुरूष, 61 महिला रोगी शामिल थे ।

नेत्र रोगों की जांच में 53 रोगियों को दृष्टि दोष, सात रोगियों को मोतियाबिंद 03 रोगियों को नाखूना, 13 रोगियों की फंडस की जांच की गई । रोग परीक्षण में 23 को डायबिटीज़ और 16 को ब्लड प्रेशर की शिकायत मिली । जबकि 91 रोगियों को निःशुल्क ड्रॉप्स प्रदान किये गये । इसी प्रकार 75 व्यक्तियों के दंत रोगों की जांच भी की गई, जिसमें 17 व्यक्तियों को रूट कैनाल, 20 को दांत निकलवाने का परामर्श और 38 को अन्य प्रकार के दंत रोगों की जांच और इलाज करवाने की सलाह दी गई।

शिविर में गुरूद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष परमवीर सिंह, सचिव हरविंदर सिंह, सेसनेचि के प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी मुख्य रूप से उपस्थित थे । इनके अलावा सेवासदन की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीती आर्या, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी, डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी, ऑप्टोमेट्रिस्ट अजय सिंह, प्रियल तिवारी और अन्य स्टाफ ने सेवाएं दी ।

राज्य सरकार ने प्रस्ताव तैयार किया, मंडल को भेजा गया, अब मंजूरी का इंतजार

पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थी माने जाएंगे 12वीं के समकक्ष

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश के पॉलिटेक्निक विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। वर्तमान में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं, लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता है, जिससे वे मुख्यधारा की उच्च शिक्षा से कट जाते थे। इसके चलते कई विद्यार्थी पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घटे हैं। ऐसे में तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाते हुए प्रस्ताव तैयार किया है, जिसपर मंजूरी मिलना बाकी है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है

दरअसल, पॉलिटेक्निक कॉलेजों में दाखिले को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने प्रस्ताव तैयार किया है। जिसके तहत पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है। प्रस्ताव के मुताबिक कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा।

नये कोर्स को तैयार कर प्रवेश की तैयारी

इधर तकनीकी शिक्षा विभाग वर्तमान में नये कोर्स को तैयार कर प्रवेश कराने के लिए काउंसलिंग की तैयारी में जुटा हुआ है। कॉलेजों में आगामी सत्र 2025-26 में प्रवेश देने के लिए गाइडलाइन तैयार कर ली गई है। इसमें काफी परिवर्तन किया गया है। इसमें खास बात यह रहेगी कि अब बाहरी राज्य के विद्यार्थियों को अंतिम राउंड तक सरकारी इंजीनियरिंग कालेज और पालीटेक्निक सहित डीटीई के डेढ़ दर्जन कोर्स की सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। बशर्ते सीटों पर प्रवेश के लिए राज्य का विद्यार्थी कतार में नहीं होना चाहिए। उक्त सीटों को आल इंडिया कोटे से भरा जाएगा। इसके अलावा टीएफडब्ल्यू की सीटों पर अंतिम राउंड तक प्रवेश दिए जाएंगे।?

पदोन्नति लटकी, इंतजार बढ़ा, अफसर नहीं बना रहे हैं सर्व स्वीकार्य ड्राफ्ट

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मध्यप्रदेश में बीते 9 वर्षों से लटक रहा पदोन्नति का ड्राफ्ट फिर लटक गया। अब कर्मचारियों को लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। उम्मीद थी कि मंगलवार होने वाले कैबिनेट बैठक में यह ड्राफ्ट आ जाएगा लेकिन इसकी संभावना कम से कम लग रही है, क्योंकि यह एजेंड में सुबह तक शामिल नहीं था। यदि एक्स एजेंडे में इसे शामिल कर चर्चा कर मंजूरी मिल जाए तो यह बात अलग है।

सूत्रों के मुताबिक पदोन्नति को लेकर जो ड्राफ्ट सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बनाया था, उसे वरिष्ठ स्तर से खारिज कर दिया। दूसरा ड्राफ्ट बनाने के निर्देशा दिए, जब वह ड्राफ्ट बनाकर पेश किया गया तो वह भी पसंद नहीं आया। इस तरह ड्राफ्ट तो कई बन चुके है लेकिन किसी को भी स्वीकार्यता नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि पदोन्नति आसान नहीं है, इसमें सभी वर्ग व संवर्ग के कर्मचारियों को संतुष्ट कर पाना संभव ही नही है, यदि ऐसा नहीं हुआ तो कैबिनेट से मंजूरी के बावजूद नीति को कर्मचारी जगत में स्वीकार्यता नहीं मिलेगी और मामला फिर से कोर्ट में पहुंच सकता है।

सीएम डॉ. यादव कर चुके हैं घोषणा

सीएम डॉ. मोहन यादव कर्मचारियों को पदोन्नति देने संबंधी घोषणा कर चुके हैं, उनके अनुसार पदोन्नति मिलनी चाहिए, इसमें कोई कमी है तो उसे पूरा कियाा जाएगा। उनकी मंशा को देखते हुए सामान्य प्रशासन के अफसरों ने पदोन्नति पर काम शुरू किया है लेकिन अब तक ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे है।

कर्मचारी संगठन प्रमुख जता रहे आपत्ति

इधर कई कर्मचारी संगठनों के प्रमुखों का कहना है कि इस तरह देरी नहीं की जानी चाहिए। सभी से चर्चा कर एक राय बनानी होगी, ताकि 9 साल से बंद पदोन्नति के विकल्प खोले जा सके। वहीं पदोन्नति ड्राफ्ट बना रहे वरिष्ठ अधिकारी इन संगठनों के प्रमुखों से खुलकर बात नहीं कर रहे हैं। जिसकी वजह से मामला लटका हुआ है, ये आरोप लगा रहे हैं कि अधिकारी मनमर्जी चलाकर नुकसान करवाना चाहते हैं, सरकार के पर नए कोर्ट थोपने की साजिश कर रहे हैं।

वृक्षों को बचाने कर्मचारियों का चिपको आंदोलन

इधर मप्र कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि रत्नागिरी अयोध्या बायपास पर काटे जा रहे 8000 हरे भरे वृक्षों को बचाने के लिए 18 मई को चिपको आंदोलन किया जाए व मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सोपा जाए। मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि सड़क बनाने के लिए भोपाल में 8000 पेड़ों की बलि चढ़ाने का निर्णय शासन ने लिया है जिसका विरोध भोपाल की जनता एवं सामाजिक संगठन कर रहे हैं अब कर्मचारियों ने भी निर्णय लिया है कि भोपाल के पर्यावरण एवं हरे भरे वृक्षों को बचाने के लिए आंदोलन करके सरकार को जगाया जाएगा तथा सरकार से मांग की जाएगी की सड़क या भवन बनाने के लिए हरे-भरे वृक्ष न कटे जाए मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री ने एक वृक्ष मां के नाम लगाने का अभियान चलाया था आज मुख्यमंत्री ने एक वृक्ष लाड़ली लक्ष्मी के नाम लगाने का अभियान का श्रीगणेश किया है लेकिन अब वृक्षों को काटने का निर्णय लिया गया है

कलेक्टरों को हर जरूरी इंतजाम के निर्देश

सिविल डिफेंस को लेकर प्रदेश सरकार ढिलाई के मूड में नहीं

हर वार्ड में पांच वॉलंटियर्स तैयार होंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल

भारत व पाकिस्तान के बीच तनाव में कमी के बावजूद मप्र सरकार नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) को लेकर मुस्तैद है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश के सभी कलेक्टर और एसपी से कहा है कि शहरी इलाकों में सायरन व्यवस्था को दुरुस्त करें। शासन के निर्देशों का तत्परता से पालन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि हर ग्राम पंचायत से दो स्वयंसेवकों और हर नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड से 2 से 5 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स बनाए जाएं। नागरिक सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों के नामांकन और भर्ती की प्रक्रिया कराई जाए। इसके अलावा जिलों में अति संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान भी की जाए।

देश की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव जैन ने यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने जिलों में सिविल डिफेंस प्लान और शासन के निर्देशों का पालन कराएं। सिविल डिफेंस कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से लागू किया जाए और प्रशासन पूरी सजगता और सतर्कता बरते। मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सायरन की व्यवस्था हो, ताकि आपात स्थिति में सभी को सायरन की आवाज सुनाई दे सके। आपदा प्रबंधन की तैयारियों की संभागीय समीक्षा हर दिन की जाएगी। उन्होंने सिविल डिफेंस अधिनियम के तहत नागरिक सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों की नामांकन प्रक्रिया और उनके प्रारंभिक प्रशिक्षण के निर्देश भी दिए। जिससे आपदा की स्थिति में उनकी भूमिका प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सके। साथ ही कहा कि इन वॉलंटियर्स की नियुक्ति में भूतपूर्व सैनिकों, वरिष्ठ एनसीसी सदस्यों, एनएसएस के सदस्य और निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए।

डिप्टी सीएम देवड़ा ने 2.32 करोड़ की सौगात दी

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर जिले के मल्हारगढ विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में 2करोड़ 32 लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। विकास कार्यों की गति प्रदान करने के उद्देश्य से एक करोड़ की लागत से निर्मित नगर परिषद नारायणगढ़ के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि नगर परिषद भवन का नाम सुदर्शन नाम रखा जाएगा। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से हर खेत को सिंचाई के लिए पानी एवं हर गांव में पीने के पानी की सुविधा मिलेगी। देवड़ा ने खजूरी गोड़ में अस्पताल के लिए जमीन दान करने वाले दानदाताओं का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि खजूरी गोड़ में मांगलिक भवन बनाया जाएगा।

22 से डीएलएड प्रथम वर्ष की परीक्षा

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने डीएलएड प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। डीएलएड (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) की प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 22 मई से शुरू होंगी, जो 13 जून तक चलेंगी। डीएलएड (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) की द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 23 मई से 11 जून तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का समय सुबह 8 से 11 बजे तक रहेगा।

तवा नदी के संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए आईआईटी के विशेषज्ञ बना रहे डीपीआर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को सिद्ध करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 30 मार्च से 'जल गंगा सवंर्धन अभियान' प्रारंभ किया गया है। अभियान का समापन गंगा दशहरा, 30 जून को होगा। विदिशा जिले की जीवनदायिनी बेतवा नदी की दीर्घकालिक सुरक्षा एवं पुर्नजीवन जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्धेश्यों की प्राप्ति एवं सतत जल प्रबंधन लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। बेतवा नदी के संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए जिला प्रशासन वृहद परियोजना तैयार कर रहा है। परियोजना को मूर्तरूप देने के लिए विशेषज्ञों को क्षेत्र का भ्रमण कराया जा रहा है।

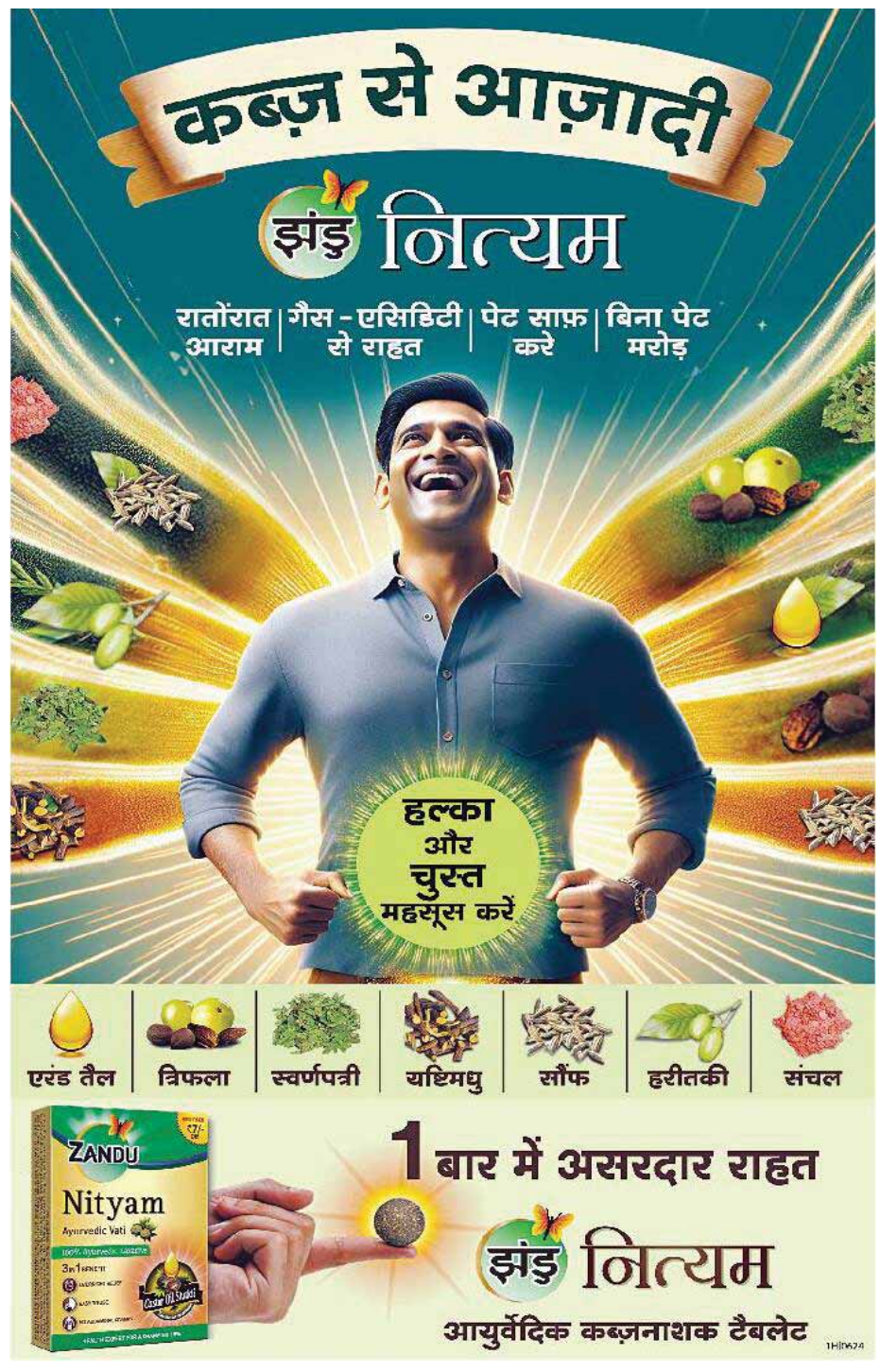

मेट्रो एंकर

हादसे से सबक : परिवहन विभाग ने जारी किये निर्देश

प्रदेश में 13 मई से सभी वाहनों की होगी चेकिंग

दोहपर मेट्रो, भोपाल

राजधानी भोपाल में सोमवार को हुए बस हादसे के बाद मप्र सरकार जाग गई है। हादसे से सबक लेते परिवहन विभाग ने प्रदेश में यात्री बसों, शैक्षणिक संस्थानों की बसों और स्कूल बसों की सघन चेकिंग किये जाने का निर्णय लिया है। यह विशेष अभियान 13 मई से प्रदेश में एक साथ शुरू होगा। अभियान में पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक और जिला परिवहन कार्यालय को निर्देश जारी किये गये हैं।

जांच अभियान में जिन बिंदुओं को शामिल किया गया है। उनमें - सभी वाहनो में केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 118 अनुसार गति नियंत्रक लगा होना चाहिये। ज़्सभी यात्री बसों में सभी वीएलटीडी डिवाइस लगा होना आवश्यक है। शैक्षणिक वाहनों में ढ्स 140 अनुरूप व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस , केमरे तथा पेनिक बटन लगे हों। VLTD का परिवहन विभाग के सेन्ट्रल सर्वर से एन्टीग्रेशन अनिवार्यतः हो तथा वाहन में परिवहन किये जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं सम्बंधित शैक्षणिक संस्था को इसका ऐक्सेस प्रदान करना भी आवश्यक होगा। सभी वाहनो में प्रथम उपचार पेटी (फर्स्टएड बॉक्स) अनिवार्य रूप से रखा जाये। एक अक्टूबर 2023 के बाद निर्मित शैक्षणिक वाहनो में केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 1250 के प्रावधान अनुसार AIS-135 अनुरूप FAPS लगा होना चाहिए तथा शेष शैक्षणिक वाहनों में वाहन अनुसार उचित मात्रा का अग्निशमन यंत्र लगा होना

इन कमियों को परखा जाएगा

- वाहनों की खिड़कियों पर काले कॉच या परदे नहीं लगे होगें तथा वाहनो के अंदर की गतिविधि सदैव वाहन के बाहर से स्पष्ट रूप से दिखना चाहिये।
- वाहन के साथ वैध बीमा प्रमाण-पत्र, फिटनेस प्रमाण-पत्र, परमिट होना अनिवार्य है।
- यदि वाहन फिटनेस प्रमाण-पत्र होने के उपरांत अनफिट पाई जाती है तो फिटनेस जारीकर्ता अधिकारी / ATS के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।
- वाहन चालक एवं परिचालक के पास वैध लाइसेंस होना चाहिए।
- बस के सभी प्रकार के कर (टैक्स) पूर्ण रूप से जमा होना चाहिए।
- बस के विरुद्ध पूर्व के चालान की जानकारी भी आवश्यक रूप से ली जाए।
- बस में किसी भी प्रकार के ओवरलोड अर्थात परमिट से अधिक यात्री न हो।

संपादकीय

बदलते परिवेश की समस्या

आजकल लोगों के मानस पर न जाने कैसा असर है कि लगातार विवाद और फसाद बढ़ रहे हैं। जो बात बहुत बड़ी नहीं होती उस पर भी बड़े विवाद उभर जाते हैं। क्या यह पिछले कुछ वर्षों में बदली लोगों की जीवन शैली से उपजी समस्या है या कुछ और। मगर यह बदली हुई लाइफस्टाइल का एक नकारात्मक पक्ष तो है ही। माना जा सकता है कि आजकल लोग कम समय में अधिक पाने की उम्मीद करने लगे हैं। मगर सभी की यह आकांक्षा पूरी नहीं होती, तो उनमें निराशा और हताशा बढ़ने लगती है। यानि कोई वजह हो या फिर ऐसी बात, जिस पर गुस्सा तक नहीं होना चाहिए, उस पर भी अब लोग तुरंत इस कदर आवेश में आने लगे हैं कि देखते ही देखते वे हिंसक रूप ले लेते हैं। मसलन पिछले दिनों दिल्ली में खाना बना रहे एक मजदूर ने महज इस बात के लिए अपने एक साथी की हत्या कर दी, क्योंकि उसने सब्जी में नमक ठीक से डालने के लिए कहा था। भोजन में नमक कम या ज्यादा हो जाना क्या कोई ऐसी बात है कि जो किसी को इतना हिंसक बना दे कि वह अपने ही साथी की जान ले ले? यह गुस्सा है या मानसिक विकार है,आखिर क्या है, इस पर मनोवैज्ञानिक ही बेहतर बता सकेंगे। वैसे आज अधिकतर लोग आर्थिक संकट, टूटते रिश्ते, घर-दफ्तर या फिर परिवार की किसी न किसी समस्या से परेशान हैं। इसकी वजहें भी कई हैं। सबसे बडी वजह तो बेरोगजारी या कम आमदनी ही है। इस बात पर बहुत गहराई से मंथन होना चाहिये कि हमने यह कैसा समाज बना डाला है, जहां किसी कमजोर के साथ नाइंसाफी होने, कोई अधिकार छिन जाने या फिर स्त्रियों की गरिमा के हनन होने पर तो गुस्सा नहीं आता, लेकिन जिन बातों को नजरअंदाज कर आगे ब? जाना बेहतर होता है , वहां लोग मामूली विवाद पर मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। शहरों-महानगरों में सड़कों पर ऐसे दृश्य आम हैं जब बहुत छोटी बात पर भी हिंसक और जानलेवा टकराव हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की जीवन शैली बदली है, उसका एक नकारात्मक पक्ष यह भी है। अब लोग कम समय में अधिक पाने की उम्मीद करने लगे हैं। जब यह आकांक्षा पूरी नहीं होती, तो उनमें निराशा और हताशा बढ़ने लगती है। इसी के साथ उनमें आया चिड़चिड़ापन कब गुस्से में बदल जाता है, इसका पता भी नहीं चलता। वहीं लोगों के बीच बेतहाशा प्रतिद्वंद्विता भी देखी जाने लगी है। जब किसी को मन मुताबिक चीजें नहीं मिलतीं, तो इसे लेकर मन में बनी गांठ में गुस्सा पलने लगता है जो कभी भी फूट पड़ता है। पहले कोई झगड़ा होता था, तो लोग धीरज से काम लेते थे और मिल-बैठ कर सुलझा लेते थे। जिंदगी की कई मुश्किलों को हल करने का यही एक आसान तरीका था। मगर यह भी प्रतीत होता है कि टीवी और मोबाइल पर लगातार परोसी जा रही नकारात्मक सामग्री के असर से और दूसरी समाज मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों की वजह से एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई है जो सहसा हिंसक हो उठती है जबकि धैर्य और विवेक मनुष्यता के सबसे बड़े गुण हैं और इसे ही लोग खो रहे है,मगर इस हालात के लिये अकेले किसी व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता,क्योंकि आसपास का पूरा परिवेश और अन्य लोग भी ऐसे ही अनजाने विकारों से भरे होते हैं। इसलिए व्यक्ति को खुद और कुछ ऐसी परिस्थिति जो प्रशासन या शासन के हाथ हों वह भी बदलनी चाहिये।

> एक बुद्धिमान व्यक्ति अपने बच्चे को सावधानी से पालता है क्योंकि उच्च मनोबल वाले शिक्षित व्यक्ति को ही समाज में सच्चा सम्मान मिलता है।
>
> -चाणक्य

आज का इतिहास

- 1643 चिली में भूकंप से कुल आबादी के एक तिहाई लोगों की मौत।
- 1648 दिल्ली में लाल किले का निर्माण कार्य पूरा हुआ।
- 1779 रूसी और फ्रांसीसी मध्यस्थों ने टेस्चेटो की संधि पर बातचीत की जिससे बवेरियन उत्तराधिकार का युद्ध समाप्त
- 1779 बवेरियन उत्तराधिकार युद्ध समाप्त होने की घोषणा की
- 1830 इक्वेडोर गणराज्य की स्थापना, जुआन जोस फ्लोरेंस पहले राष्ट्रपति बने।
- 1830 इक्वाडोर को ग्रैन कोलंबिया से अलग लिया।
- 1846 संयुक्त राज्य अमेरिका ने मैक्सिकन-अमेरिकी युद्ध शुरू करते हुए, टेक्सास के 1845 अमेरिकी एनेक्सस के मद्देनजर कई विवादों की श्रृंखला के बाद मैक्सिको पर युद्ध की घोषणा की।
- 1846 मैक्सिकन-अमेरिकी युद्ध- संयुक्त राज्य अमेरिका मेक्सिको से युद्ध की घोषणा
- 1848 जर्मन संगीतकार फ्रेड्रिक पैसियस और फिनिश कवि जोहान लुडविग रूनबर्ग द्वारा लिखित फिनलैंड के राष्ट्रगान माएमे (ऑडियो चित्रित) का पहली बार प्रदर्शन किया गया।
- 1848 फिनलैंड के राष्ट्रीय गान का प्रथम प्रदर्शन किया गया।
- 1880 न्यू जर्सी के मेनलो पार्क में थॉमस एडीसन ने अपना पहला विद्युत रेल का प्रदर्शन किया।
- 1880 थॉमस एडिसन ने मेनलो पार्क में अपनी प्रायोगिक इलेक्ट्रिक रेलवे को जांचा था।
- 1899 एसपोर्टे क्लब विटोरिया एसोसिएशन फुटबॉल क्लब साल्वाडोर ब्राजील में स्थापित किया गया।

निशाना

सेंकते हम रोटी !

-कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर ।
सेंकते हम रोटी ।।
करनी राजनीति है ।
बात नहीं ये छोटी ।।
कोशिश लगातार है ।
टूट न जाए क्रम ।।
रहना हमको ज़िंदा ।
ना इसमें हो भ्रम ।।
होंगे लाख जलील पर ।
ना लाना बदलाव ।।
जनता ने ठुकरा कर ।
दिया बराबर घाव ।।
मुद्दों की हम खोज में ।
है लाना हर हाल ।।
भले लाख हम पर ।
उठते हों सवाल ।।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिंदगी...

औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था...

■ क्षमा शर्मा

टीवी या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार-छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुःख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर-दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं। औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी-अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है–'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते-सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी-अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला। वह भी इस युद्ध में मारा गया। अब वह नितांत अकेली है। 1999 की करगिल लड़ाई के वक्त शहीद अनुज नैय्यर के पिता का बयान ऐसा था कि उसने हिला दिया था। उन्होंने कहा था कि लड़ाइयों में कोई नेता नहीं मारा जाता। इसी लड़ाई में एक और महिला हेमलता का बेटा मारा गया था। उन्हें बदले में सरकार ने पेट्रोल पंप देना चाहा था। लेकिन उन्होंने उसे लेने से साफ मना कर दिया था।

यहां एक आपबीती भी शामिल करना चाहती हूं। सगे मामा की लड़की के पति को विवाह के मात्र पांच महीने बाद ही कश्मीर में आतंकवादियों ने मार दिया था। वह लड़का भी सैन्य अधिकारी था। उसके पिता भी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रहे थे। कुछ दिन बाद इस लड़की के पिता की मृत्यु भी हो गई थी। इस लड़की ने कितनी मुश्किलों से अपने बच्चे को पाला, यह वह जानती है या उसके परिजन। उसके परिजन चाहते थे कि वह दोबारा विवाह कर ले। लेकिन उसने कहा, मेरे बच्चे का पिता तो पहले ही नहीं है। मैं शादी कर लूं, तो बच्चे की मां भी नहीं रहेगी। आज पांचवें दशक में भी उसका जीवन अनंत दुखों की गाथा है। ऐसी ही लाखों, करोड़ों स्त्रियां न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर में मौजूद हैं। हम शहादत पर सहानुभूति दिखा सकते हैं। सरकारें मुआवजा दे सकती हैं। पत्नियों को नौकरी मिल सकती है। लेकिन जाने वाला जो खालीपन छोड़ जाता है, वह भी युवावस्था में, उसे भरना मुश्किल होता है। जावेद अख्तर ने बार्डर फिल्म में एक गीत लिखा था। जिसकी पंक्तियां थीं–जंग तो रोज होती है, जिंदगी बरसों तलक रोती है।

- साभार

अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

■ जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय पाकिस्तान से तनाव के माहौल के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के संसाधनों और उत्पादन प्रणाली पर दबाव के मद्देनजर देशभर में सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। वस्तुत- आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर स्थानीय स्तर पर मौजूद एमएसएमई खाद्य उत्पाद, छोटे रक्षा उत्पाद और दवाई जैसी अन्य जरूरी वस्तुओं का तेजी से कम लागत पर उत्पादन करने में अहम भूमिका निभाते हैं। गौरतलब है कि एक ओर पाकिस्तान से चरम पर पहुंचे युद्ध तनाव और दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीददारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपए किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढने की तैयारी कर रहा है। निःसंदेह एमएसएमई क्षेत्र देश के विनिर्माण, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एमएसएमई मंत्रालय की नई रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 5.93 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई हैं। इनमें 25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष

2025-26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाए हैं, जो कि चीन पर 245 फीसदी, बांग्लादेश पर 37 फीसदी तथा श्रीलंका पर 44 फीसदी टैरिफ से कम है।

ऐसे में भारत के कई चुनिंदा एमएसएमई उत्पादों को तुलनात्मक लाभ मिल सकता है। फिर भी 26 फीसदी टैरिफ की व्यापक चुनौती का मुकाबला करने की डगर पर आगे बढने के लिए कई और बातों पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लानी होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी। इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है। सरकार के द्वारा एमएसएमई को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के परिपालन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान देते हुए जीएसटी व्यवस्था को सरल करना होगा। एमएसएमई के हित में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात-उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे विभिन्न उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है। निश्चित रूप से देश के एमएसएमई क्षेत्र के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के द्वारा हाल ही में प्रस्तुत यह उम्मीद लाभप्रद है कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय कारोबार समझौता (बीटीए) के लिए की जा रही व्यापार वार्ता सफल रूप से निष्कर्ष पर पहुंचने के बहुत करीब है। ऐसे में भारत दुनिया का सबसे पहला देश हो सकता है जो अमेरिका के साथ द्विपक्षीय कारोबार समझौता करेगा। इसी तरह विगत माह 21 अप्रैल को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय कारोबार समझौते में प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि इससे दोनों देश लाभान्वित होंगे। ऐसे में बीटीए जितनी जल्दी अंतिम रूप लेने के बाद कार्यान्वयन की डगर पर आगे बढ़ेगा, उतनी ही तेजी से देश के एमएसएमई लाभान्वित होते हुए दिखाई देंगे। हम उम्मीद करें कि पाकिस्तान से तनाव के माहौल के बीच एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर तत्परतापूर्वक अधिकतम उत्पादन करते हुए अपनी राष्ट्रीय कर्त्तव्य निर्वहन भूमिका को अहम बनाते हुए दिखाई देंगे।

साभार- लेखक अर्थशास्त्री हैं, यह उनके विचार हैं

अपने आराध्य के प्रति दृढ़ विश्वास से ही प्राणी को सफलता प्राप्त होती है : कृष्ण चंद्र शास्त्री

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

गंज हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस विश्व विख्यात कथा व्यास श्री कृष्ण चंद्र ठाकुर जी शास्त्री ने कहा कि अपने आराध्य के प्रति दृढ़ विश्वास से ही प्राणी मात्र को सफलता प्राप्त होती है। इसका सबसे उत्कृष्ट उदाहरण ध्रुव जी महाराज हैं। ध्रुव जी महाराज की भक्ति एवं विश्वास, अपने प्रभु श्री नारायण के प्रति अत्यंत दृढ़ थी। भक्ति बल से उन्होंने कठिन तप किया और मात्र 5 वर्ष की आयु में ही साक्षात् नारायण को प्राप्त कर लिया। अपने प्रभु श्री नारायण के आशीर्वाद से उन्होंने 36 हजार वर्षों तक राज्य करते हुए बैकुंठ का वास प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि अपने आराध्य की विशुद्ध भक्ति ही प्राणी के आत्म कल्याण का सबसे बड़ा साधन है। भक्ति ही वह सबसे सुलभ साधन है जिसके द्वारा प्राणी, भगवान को प्राप्त कर सकता है।

कथा व्यास ठाकुर जी ने भक्ति के 81 प्रकार बताएं। अहेतु भक्ति, हेतु भक्ति , निष्काम और सकाम भक्ति सहित 24 अवतारों का सूक्ष्म रूप से वर्णन करते हुए श्रीमद् भागवत की रचना, शुकदेव जी के द्वारा उनका अध्ययन करके राजा परीक्षित को श्रीमद् भागवत का श्रवण कराना, कुंती स्तुति, परीक्षित का जन्म एवं पांडवों का स्वर्गारोहण,

परीक्षित की दिग्यात्रा, श्रृंगी के द्वारा श्राप एवं शुकदेव जी का आगमन, स्वयं मन को वश में करने का उपाय, सद् मुक्ति, क्रम मुक्ति, सृष्टि प्रसंग , चतुः श्लोक की भागवत आदि प्रसंगों का संक्षिप्त वर्णन कर श्रोताओं को श्रवण कराया।

भागवत कथा वाचन के दौरान कथा व्यास श्री ठाकुर जी ने विदुर उद्धव संवाद एवं विदुर मैत्री संवाद के माध्यम से भगवान वाराह के द्वारा हिरण्याक्ष वध की कथा का बड़ा ही रोचक वर्णन किया।

कथा के दौरान सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास जी को स्मरण करते हुए श्री ठाकुर जी ने कहा कि हमने विद्वानों के श्रीमुख से गंजबासौदा के सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास महाराज की ख्याति सुनी है, उन्होंने कई वर्षों पहले नौलखी मंदिर पर हुए नौ लाख लोगों के विशाल भंडारे में अपने तप के बल पर आवश्यकता पड़ने पर पानी को घी में परिवर्तित कर दिया था। ऐसी पुण्य भूमि पर निरंतर यज्ञ, अनुष्ठान एवं सत्संग आयोजित होते रहना चाहिए। ऐसी भूमि की उत्तरोत्तर उन्नति होते ही रहना चाहिए। इसके लिए गंजबासौदा वासियों को सदैव सहयोग के लिए आगे रहना चाहिए।

कथा में गंज हनुमान मंदिर के महंत श्री महेश्वर दास त्यागी विदिशा से कथा व्यास अंकित कृष्ण शास्त्री बटुक जी सहित अनेक संत महात्मा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर महारुद्राभिषेक कर अच्छी बारिश की कामना की

नर्मदापुरम. गिन्नी कंपाउंड स्थित सिद्धेश्वर शिवमंदिर में बुद्धपूर्णिमा पर कॉलोनी की महिलाओं ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर अच्छी बारिश की कामना की. इस दौरन प्रेमलता तोमर, पुष्पा जोशी, किरण मालवीय, कल्पना जाट और सीमा मालवीय आदि महिलाएँ उपस्थित थीं.

रक्षा समिति के सदस्यो की विशेष बैठक हुई आयोजित

गंजबासौदा। ग्राम नगर रक्षा समिति के थाना कोतवाली थाना देहात क्षेत्र के सक्रिय सदस्यो की आवश्यक बैठक कोतवाली थाना परिसर में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे एसडीओपी मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली योगेंद्र परमार रक्षा समिति के प्रांतीय संयोजक दीपक तिवारी की उपस्थिति में संपन्न हुई। उपस्थित सदस्यों के नागरिक सुरक्षा के फॉर्म भरे गए एवं मंगलवार को कोतवाली परिसर में प्रशिक्षण रखा गया है। जो सदस्य एवं अन्य व्यक्ति जो देश के प्रति जागरूक है या समय देना चाहते हैं फॉर्म भर सकते हैं बैठक में राधेश्याम यादव, सियाराम शर्मा, इरसाद अंसारी, राकेश रावत सहित समिति सदस्य मौजूद रहे।

सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा आयोजित नेत्र शिविर में 148 मरीजों को मिला लाभ

गंजबासौदा। सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा रवि उपाध्याय के कुशल मार्ग दर्शन में नेत्र शिविर मदन भैया मिश्रा की पुण्य स्मृति में ग्राम पंचायत निबोदिया में लगाया गया। जिसमें स्वर्गीय श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। जिसमें डॉ पवन कुमार ने लगभग 148 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें 19 मरीजों को मोतिया बिंद चिन्हित किया गया। जिसमें 17 मरीजों को चश्में प्रदान किए गए वहीं अक्षय पाल ने 33 लोगो के चश्में के नंबर निकालकर दिए गए। वहीं दूसरी ओर कैंप प्रभारी डाल सिंह जादौन एवम काउंसलर धर्मेंद्र शर्मा द्वारा बीपी एवम शुगर लेवल की जांच की गई वहीं समाज सेवी सुनील बाबू पिंगले एवम प्रकाश मिश्रा ने एवम आनंद मिश्रा ने कहा कि इस शिविर में ग्राम पंचायत के अशोक लोधी एवम स्टाफ ने सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है जो कि अनुकरणीय उदाहरण है इस अवसर पर सभी डॉक्टर्स की टीम का पुष्प हार पहनाकर शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

विभागों की त्वरित प्रतिक्रिया टीम रहेगी तैयार

आपदा प्रबंधन के लिए सभी विभाग हरदम अलर्ट मोड पर रहें : कलेक्टर

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर वर्तमान परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए तथा केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार शनिवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने आगामी संभावित युद्ध आपदा के परिप्रेक्ष्य में जिले के समस्त विभागों को सतर्क रहते हुए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने स्वास्थ्य, आपदा प्रबंध संसाधन, खाद्य पेयजल, ईंधन आदि को निर्बाध व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए।

आपदा प्रबंधन के समय चिकित्सा सेवाएं सबसे प्रमुख घटक, जिले के समस्त अस्पतालों में दवाओं एवं अन्य आवश्यक संसाधन सरप्लस मात्रा में रखे जाए.

कलेक्टर सोनिया मीना ने निर्देशित किया कि जिले के समस्त अस्पतालों में आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां एवं उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ पूर्ण रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने

सीएमएचओ को निर्देशित किया कि ब्लड बैंक में सभी रक्त समूहों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जरूरत पड़ने पर अस्पतालों व विद्यालयों के मध्य अस्थायी निवास की व्यवस्था की जाए, तथा वहां जनरेटर की सुविधा भी रहे।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि देश विरोधी या भड़काऊ सामग्री पर तुरंत कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया जाए। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक खबरों का प्रसार अवरोधित किया जाए।

कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री, पेट्रोल-डीजल एवं घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि आमजन को अनावश्यक भण्डारण से बचने हेतु आवश्यक रूप से जागरूक किया जाए। जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न ना हो। लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आपात स्थिति में भी पेयजल की व्यवस्था निर्बाध रूप से बनी रहे तथा ब्लैकआउट एवं अन्य किसी भी अप्रिय स्थिति में जलापूर्ति की व्यवस्था के इंतजाम पूर्व नियोजित ढंग से कर लें।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के संवेदनशील स्थलों जैसे अस्पताल, पावर प्लांट, तेल व गैस डिपो, धार्मिक स्थल एवं भारत सरकार के संस्थानों की सूची अद्यतन की जाए साथ ही उन स्थानों पर निरंतर नजर बनाए रखे तथा अनावश्यक रूप से सार्वजनिक आवाजाही को त्वरित रूप से स्थगित की जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राम एवं पंचायत स्तर पर नागरिक सुरक्षा संबंधी जानकारी पर्याप्त रूप से प्रचारित की जाए जिससे जनता में सुरक्षा की भावना बनी रहे तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके

कलेक्टर ने नगरीय प्रशासन विभाग को निर्देशित किया कि अग्निशमन सेवाओं को सक्रिय रखा जाए एवं उपकरणों की समय-समय पर जांच की जाए। अग्निशमन सेवाओं के समस्त वाहन रेडी टू गो स्थिति में रखे।

उन्होंने जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस को निर्देशित किया कि संचार सेवाएं सुचारू रहे इसके लिए दूरसंचार कंपनियों से समन्वय स्थापित कर संचार तंत्र की समीक्षा कर ली जाए। कलेक्टर ने सार्वजनिक सूचना प्रणाली (Public Address System) को कार्यशील स्थिति में रखे जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राहत एवं बचाव कार्यों में गैर सरकारी संगठन, एन.एस.एस., एन.सी.सी. और सिविल वॉलंटियर्स जेसी संस्थाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से भी पर्याप्त समन्वय बनाए रखा जाए।

उद्योगों में उत्पादन सुचारू रूप से जारी रहे और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।विद्युत आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था बनाए रखी जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन को निर्देशित किया कि जिले में डीसीसीसी सेन्टर 24× 7 सक्रिय रहे।

प्रोत्साहन राशि बनी किसानों की उम्मीद की किरण: राजपूत

रिकॉर्ड 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जन

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की धरती एक बार फिर अन्नदाता किसानों की मेहनत से स्वर्णिम हो उठी है। प्रदेश में इस बार गेहूँ उपार्जन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा घोषित प्रोत्साहन राशि ने किसानों के मन में आश्वस्ति, आत्मविश्वास और प्रोत्साहन का संचार किया है। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष प्रदेश में 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का रिकॉर्ड उपार्जन हुआ है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 29.36 लाख मीट्रिक टन अधिक है।

प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के लगभग 9 लाख किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेची है। यह प्रदेश सरकार की किसान-मित्र नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

केंद्र सरकार ने इस वर्ष गेहूँ के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया था, जिसके ऊपर राज्य सरकार ने 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस प्रदान कर किसानों को कुल 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर भुगतान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री के इस निर्णय ने किसानों को समर्थन मूल्य केंद्रों की ओर आकर्षित किया और उन्होंने खुले मन से सरकार को अपनी उपज बेची।

राजपूत ने बताया कि अब तक उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक का सुरक्षित भंडारण राज्य सरकार द्वारा किया जा चुका है। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। अब तक किसानों के खातों में 17 हजार 870 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है, जो इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार ने केवल उपज ही नहीं ली, बल्कि किसानों को उसका मूल्य भी सम्मानपूर्वक दिया।

आदि गुरू शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा आदि गुरू शंकराचार्य की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में गुरु शंकराचार्य के जीवन दर्शन पर व्याख्यान माला का आयोजन शासकीय कुसुम महाविद्यालय बानापुरा में किया गया। आयोजन का शुभारम्भ गुरु आदि शंकराचार्य और मां सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व पूजन कर किया गया। इस अवसर पर सम्मिलित अतिथियों ने शंकराचार्य जी के जीवन दर्शन पर अपने विचार रखे। दो सत्रों में आयोजित इस व्याख्यान माला में अतिथि वक्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुरम की जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, गौशाला संचालक दीपक पालीवाल, गायत्री परिवार के जेपी मालवीय, कुसुम महाविद्यालय के प्रोफेसर रमाकांत, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा ने संबोधित किया। अतिथियों ने कहा कि ब्रह्म ही एकमात्र सत्य है और संसार केवल ब्रह्म की एक अभिव्यक्ति है। इस दर्शन के अनुसार, जीव और ब्रह्म एक ही है

तथा मोक्ष ज्ञान के माध्यम से प्राप्त होता है। शंकराचार्य जी भारत के एक महान दार्शनिक, धर्मप्रवर्तक और योगी थे। उन्होंने अद्वैत वेदान्त को ठोस आधार प्रदान किया और भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांत सूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं।

सत्रों का संचालन परामर्शदाता रघुवीर मालवीय तथा ईश्वर विश्नोई ने किया एवं आभार विद्यार्थी आदर्श सोनी ने व्यक्त किया। परामर्शदाता नर्मदाप्रसाद यदुवंशी ने प्रेरणादाई गीत गाए।

छात्र के प्रथम श्रेणी में पास होने पर पांच हजार की राशि से सम्मानित

नगर के सांदीपनि विद्यालय में समर कैंप के समापन में समस्त विद्यार्थियों द्वारा अनेकों प्रकार के प्रोजेक्ट एवं वाद्य यंत्र में भाग लिया उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा प्रमाण पत्र शाला परिवार द्वारा गिफ्ट दिए गए। इस दौरान अनिकेत ओसवाल द्वारा 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शाला में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को सुनील राजपूत द्वारा 5000 रूपये का इनाम दिया गया एवं विद्यार्थी के उज्जवल भविष्य की कामना की जिसमें मुख्य अतिथि विक्रम सूर्यवंशी विधायक प्रतिनिधि प्राचार्य राजपूत सर सहित समस्त शिक्षक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर राज्य शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान

तालाब के जीर्णोद्धार के लिए जनभागीदारी के साथ हुआ सफाई कार्यक्रम

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

पिपरिया राजस्व अनुविभाग में बनखेडी तहसील के बाचावानी गांव में गोंड राजाओं द्वारा निर्मित बहुत पुराने तालाब के जीर्णोद्धार के लिये आज एक महत्वपूर्ण पहल विगत दिवस हुई। राज्य शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनिशा श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर तालाब में जमा हो गए कचरे को जन भागीदारी से हटवाकर पूरे जलग्रहण क्षेत्र की सफाई की शुरुआत कराई।

उन्होने विभिन्न कारणों से सूख चुके इस तालाब को पुनर्जीवित करने हेतु सभी विभागीय अधिकारियों को बहु आयामी विभिन्न कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश दिए और तालाब के जलग्रहण तथा तल क्षेत्र को व्यवस्थित करने के लिए ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसीलदार गांव के स्वैच्छिक कार्यकर्ताओ और विशेषकर आसपास के मैरिज गार्डन के के

संचालकों को जिम्मेदारी सौंपी।

अनुविभागीय दंडाधिकारी अनिशा श्रीवास्तव ने ग्रामीणों तथा शासकीय अधिकारियों से बातचीत कर हर बिंदु पर विस्तार से सभी पक्षों से चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने गांव की जल निकास प्रणाली, जिसे स्थानीय बोली में ÷गोहो÷ कहा जाता है, पर हुए अतिक्रमण का भी अवलोकन किया और उसे भी हटाकर उस जल निकास प्रणाली को व्यवस्थित कर उसे आगे के नाले में मिलाने के निर्देश दिए।

राज्य शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बाचावानी गांव में किए जा रहे ये कार्य पिपरिया राजस्व अनुविभाग में अन्य गांवों के जल क्षेत्रो के पुनर्जीवन और संवर्धन के लिए आदर्श मिसाल मिसाल साबित होगा।

एस डी एम अनीशा श्रीवास्तव ने अधिकारियों से बनखेडी तहसील के ऐसे सभी तालाब और कुओं की जानकारी ली जिनमे सुधार मरम्मत की जरूरत है ताकि उनमे गर्मी के मौसम मे भी पानी उपलब्ध रहे। कार्यक्रम मे पहुंचे सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भी बाचावानी में शुरू किए जा रहे इस कार्य की शुरुआत की प्रशंसा की। उन्होंने ग्रामीणों को आह्वान किया कि वे इन कार्यों मे प्रशासन को सहयोग दें।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत की कार्यवाहक सी ई ओ तथा तहसीलदार सुश्री अंजु लोधी, नायब तहसीलदार मरावी, बनखेडी थाना प्रभारी बारस्कर ग्राम पंचायत सरपंच, रमेश पटेल, मनोहर पटेल(ग्राम पनारी), पंचायत सचिव ओम स्वामी, गांव के प्रमुख किसान नरपत साय, महेश शुक्ला, ओम प्रकाश खूंटिया, सत्य नारायण शुक्ला तथा अन्य अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

प्रत्येक दिन गैर विवादित किसानों के सीमांकन कराने एसडीएम ने तहसीलदारों को दिया लक्ष्य

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने तहसील कार्यालय में पांचों मंडलों में लंबित सीमांकन को बारिश से पूर्व करवाने के लिए तहसीलदारों की बैठक लेकर टारगेट निश्चित कर दिया उसके हिसाब से सीमांकन का कार्य धरातल पर बिना किसी पक्षपात के करवाने बैठक लेकर तहसीलदार देते हुए एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक हर मंडल में काम से कम 10 सीमांकन हो इस हिसाब से 5 मंडलों से 50 किसानों के सीमांकन हो इस बात की चिंता करें प्रत्येक पटवारी से हर दिन सीमांकन प्रगति रिपोर्ट लेकर गंभीरता से इस कार्य को करें इसमें किसी भी तरह की लापरवाही ना हो इस बात का भी विषेश ध्यान रखना है।इस काम में किसी भी तरह की लापरवाही कोई पटवारी ना इसके लिए सभी पटवारी को पहले से निर्देशित करें कि जिनके आवेदन लंबे समय से लंबे थे उन सभी के सीमांकन प्राथमिकता से इनको पहलेसे सूचना करवरकर मौके पर कृषकों को और आसपास के मेडिया किसने को भी बुलाकर सीमांकन का कार्य करवाया जाए इसकी

मॉनिटरिंग प्रत्येक दिन पटवारी से करें सभी पटवारी से सीमांकन की रिपोर्ट लें इसके बाद मुझे जानकारी उपलब्ध कारण कही से किसी भी तरह की शिकायत न मिले इस काम में तेज गति से बरसात से पहले हमें करवाना है। सभी हल्को के पटवारियों की बैठक भी लेकर उनको भी लक्ष्य निर्धारित कर दें 200 के करीब आवेदन किसानों के सीमांकन को लेकर लंबित है एक दिन हल्के के हिसाब से पटवारियों मैं कितने सीमांकन किए हैं उनकी पूरी रिपोर्ट पंचनामा के साथ उपलब्ध होनी चाहिए यदि कोई पटवारी सीमांकन करने में लापरवाही करें तो उसकी जानकारी दें जिससे कि संबंधित पटवारी पर सीधी कार्रवाई हो किसानों को सीमांकन के लिए किसी भी हालत में तहसील कार्यालय में ना आना पड़े इस बात की भी चिंता सभी गंभीरता से चिंता करें

इसके संबंध में उन्होंने मॉनिटरिंग का कार्य किया तो पिछले दो दिनों में 39 किसानों का सीमांकन भी इन पांचों मंडलों में एसडीएम के कड़े निर्देशों के बाद हो पाया है नहीं तो पहले सीमांकन के प्रति पटवारी गंभीर नहीं होते थे अधिकांश पटवारी किसानों से सेवा के बाद इस काम को करने के लिए जाते हैं । कई शिकायत है अभी ऐसे पटवारी की सामने आती है। जब तक इस काम के बदले में उनकी जेब गर्म नहीं होती है तब तक इस काम को नहीं जाते हैं। वहीं सीमांकन के नाम पर जमकर बसूली का खेल भी किसानों से किया जाता था एसडीएम की सख्ती के बाद कई पटवारी की वसूली भी रुक जाएगी क्योंकि लक्ष्य के हिसाब से इन्हें पहले से प्राप्त आवेदनों का सीमांकन बिना किसी भेदभाव के करना है बस प्रशासन के अधिकारियों को वसूली करने वाले पटवारी पर भी निगाहे रखनी होगी जो सीमांकन के एवज में इस काम को अंजाम देते हैं । सीमांकन करने के दौरान दूसरे किसान की भूमि में जमीन निकल कर विवाद को हवा दे देते हैं इस बात की चिंता भी एसडीएम को करनी होगी।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी मास्टर प्लान फॉर सिविल डिफेंस का लिया जायजा

कलेक्टर-एसपी ने की अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी मास्टर प्लान फॉर सिविल डिफेंस 2025 के अंतर्गत विदिशा जिले में सीडी प्लान के अनुसार नागरिक सेवा के रूप में समस्त कार्य समय सीमा में संपादित हो इसके लिए जारी प्लान के अनुसार अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने विदिशा जिले के लिए तैयार किए गए सिविल डिफेंस प्लान (सीडी प्लान) की अद्यतन जानकारी सोमवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में की है। बैठक में जिन बिन्दुओं पर कार्य करने हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है और उनके द्वारा अब तक क्रियान्वित कार्यो की अद्यतन स्थिति की जानकारियां प्राप्त की गई है तदानुसार जो सेवाएं सीडी प्लान के तहत क्रियान्वित की जानी है उनमें मुख्यालय सेवा, वार्डन सेवा, संचार सेवा, दुर्घटना, चिकित्सा सेवा, अग्निशमन सेवा, प्रशिक्षण बचाव सेवा, विद्युत सेवा, कल्याण सेवा, सालवेज सेवा, आपूर्ति सेवा, डिपो एवं ट्रांसपोर्ट सेवा, निपटान

सेवा, सायरन सेवा, उप कंट्रोलर के अलावा सूचना प्रसारण इत्यादि बिन्दुओं की पृथक-पृथक समीक्षा की गई है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों को ध्यानगत रखते हुए जारी एडवायजरी की निहित बिन्दुओं के तहत विभागो को सौंपे गए दायित्वों के क्रियान्वयन की जानकारियां जिलाधिकारियों के द्वारा प्रस्तुत की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि अप्रत्याशित परिस्थितियों की स्थिति में जिले में कहीं भी पैनिक स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए आमजनो से लेकर सभी को जागरूक करने की पहल की जा रही है। सिविल डिफेंस प्लान के तहत आपदा की आशंका से निपटने के लिए जिले में तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए गए है।

राष्ट्रीय प्राधिकरण व राज्य प्राधिकरण के द्वारा जो उचित मार्गदर्शन दिया गया है के अनुरूप आपदा के निवारण हेतु किसी विशेष वस्तु अथवा सामग्री के आकस्मिक क्रय की आवश्यकता ना पडे। आमजनो की दिनचर्या पूर्वानुसार चलती रहे इसके लिए विभागो द्वारा भण्डार क्रय के प्रचलित नियमो को ध्यानगत रखते हुए अनावश्यक रूप से संग्रह की परिस्थितियां निर्मित ना हो।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने वर्तमान परिदृश्य में प्रदेश में पूर्व तैयारियों के संबंध में जारी चेक लिस्ट के अनुसार विभागो के द्वारा अब तक की गई कार्यवाही की जानकारियां प्राप्त की जिसमें मुख्य रूप से एयर रैड सायरन शहर को कवर करने हेतु कुल सायरनो की आवश्यकता, उपलब्धता, कार्यरत सायरनो की संख्या, सायरन के बैकअप एवं सेन्ट्रल अलर्ट सिस्टम से जुड़ने की स्थिति, जिले में वर्तमान स्थिति के नियंत्रण हेतु इमरजेंसी कंट्रोल रूम, जिला एवं विकासखण्ड मुख्यालयो पर एक साथ संचालित हो।

स्वंयसेवक (वॉलिटियर्स) नामांकित स्वंयसेवको की संख्या और उनको प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की जबाव देही होमगार्ड को सौंपी गई है। संचार योजना एवं आश्रय स्थल हेतु पुल, रेल, टनल, स्कूल आदि जैसे चिन्हित कम्यूनिटी सेन्टर का चिन्हांकन, जिला स्तर पर संचालित नियंत्रण कक्ष में पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा निगरानी रखी जा रही है और दल के पास आवश्यक सिविल डिफेंस प्लान एवं महत्वपूर्ण सम्पर्क की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। फायर सेफ्टी ड्रिल, पूर्व तैयारी और हास्पिटल की तैयारियां जिसमें बर्न यूनिट, सर्जन्स, बेड क्षमता, जिला चिकित्सालय व मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ विकासखण्ड मुख्यालय के अस्पतालो की जानकारियां संग्रहित की गई है। संवेदनशील अद्योसंरचनाओं को जोखिम विश्लेषण, जन समुदाय को रेड, येलो, ग्रीन सायरन के विभिन्न चरणो की ध्वनि से प्रशिक्षित करना शामिल है।

वर्तमान परिदृश्य में पूर्व तैयारियों की चेकलिस्ट अनुसार ब्लेकआउट जोन तथा पावर यूटिलिटिज के साथ-साथ स्वीच आफ प्लान का समन्वय, पुलिस, अस्पताल, नगरीय निकायो तथा आवश्यक सेवाओं हेतु एसओपी जारी करना, आपातकाल के दौरान महत्वपूर्ण कार्यो हेतु एसओपी तथा जिला स्तर पर ब्लेकआउट तथा निर्धारित आश्रय सीलो में बचाव के लिए ड्रिल घरेलू स्तर पर किट, सायरन, जनजागृति तथा सुरक्षित जोन के चिन्हांकन से संबंधित पूर्व तैयारी का स्थानीय समाचार पत्रो एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनो तक संदेश सम्प्रेषित कर अवगत कराना इत्यादि शामिल है।

समीक्षात्मक बैठक में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारियों को लाइक व फारवर्ड नहीं करने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय परिस्थितियां निर्मित होने पर अविलम्ब सूचनाएं वरिष्ठो तक पहुंचने था आमजनो को जागरूक करने के लिए जारी एसओपी के अनुसार प्रशिक्षित करने और हरेक ग्राम में पांच-पांच-पांच वॉलिटियर्स तैयार करने के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया है।

होटल, लॉज व मकानो में ठहरने वाले किराएदारों की जानकारी थानों में दें

सिरोंज। विदिशा वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों के दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिले मे कानून

व्यवस्था को कायम रखने, जन सामान्य के हित, जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु विदिशा जिले की सीमा में किरायेदारों के संबध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि किरायेदारों की सूचना संबंधित मकान, दुकान मालिक द्वारा संबंधित थानो पर विहित प्रारूप मे दी जाएगी। इसके पूर्व मकान, दुकान किराये से ना दी जाये। साथ ही आईडी प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाए। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना संबंधित मकान मालिक द्वारा थाने पर विहित प्रारूप मे देने के उपरान्त ही उन्हे रखा जाए। विशेष तौर पर होटल, लॉज, मकान इत्यादि में ठहरने वालों की पहचान के लिए आईडी प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाए। छात्रावासों मे रह रहे छात्र एवं छात्राओं की सूचना विहित प्रारूप मे संबंधित थाने को दी जाए। साथ ही आईडी प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाए। होटल, लॉज, धर्मशाला मे रूकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाए एवं ठहरने वाले व्यक्तियों की सूची विहित प्रारूप मे प्रतिदिन थाने पर दी जाए। भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों मे लगे मजदूरों, कारीगरो की सूचना ठेकेदार द्वारा विहित प्रारूप में थाने पर देने के उपरांत ही उन्हे काम पर रखा जाए। इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा अतिथि पोर्टल प्रारम्भ किया गया है, इस पोर्टल पर भी रूकने वालों की जानकारी अवश्य रूप से दर्ज की जाए। पेइंगगेस्ट की सूचना संबंधित मकान मालिक द्वारा विहित प्रारूप मे थाने पर दी जाए। इसके उपरांत ही पेइंग गेस्ट रखा जाए। ऐसे व्यक्तियों की सूचना 15 दिवस से अधिक समय तक निवास कर रहे हो, तत्काल थाने पर विहित प्रारूप मे दी जाए। ऑनलाईन शापिंग, होमडिलेवरी, कोरियर का कार्य करने वाले कंपनियों के व्यक्ति जो घर-घर जाकर पार्सल वितरित करते हैं, की जानकारी विहित प्रारूप मे थाने पर दी जाए।

पेट्रोल पम्पों से डिब्बा, बोतलों में पेट्रोल ज्वलनशील पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध

सिरोंज। विदिशा समाचार पत्रों एवं जनसामान्य आदि के माध्यम से यह तथ्य संज्ञान में लाया गया है कि विदिशा जिले में कई पेट्रोल पम्पों से खुले रूप में डिब्बे, बोतल तथा पाऊच आदि रूपों में पेट्रोल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों का विक्रय किया जा रहा है, जिससे आम जनमानस के जान एवं माल पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियो के दृष्टिगत विदिशा जिले की सीमा में दुरूपयोग रोकने एवं आपराधिक प्रवृत्ति की गतिविधियों पर रोकथाम की दृष्टि से डिब्बे तथा बोतल या अन्य किसी खुले रूप में पेट्रोल पंप से पेट्रोल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थो के विक्रय पर अंकुश लगाये जाने की आवश्यकता प्रतीत हो रही है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिले में कानून व्यवस्था को बनाये रखने, जनसामान्य के हित, जान-माल एवं लोक परिशांति को बनाये रखने हेतु विदिशा जिले की सीमा में पेट्रोल पंप से डिब्बे तथा बोतल एवं अन्य किसी रूप में पेट्रोल तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों के विक्रय का प्रतिबंध लगाए जाने का आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना यथास्थिति अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

जिले की सीमा क्षेत्रों में सोशल मीडिया एवं ड्रोन संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

सिरोंज। विदिशा जिले की सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियो के सफल एवं सुरक्षित आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार के सुरक्षा संबंधित मापदण्ड तय किये गये है, जिनका शांति व्यवस्था, आमजन की सुविधा, सुरक्षा व स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए पालन किया जाना नितान्त आवश्यक प्रतीत हो रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अंशुल गुप्ता ने वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियो के दृष्टिगत अपने अधिकार क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था को बनाये रखने, सार्वजनिक और निजी लोक संपत्ति के सुरक्षार्थ तथा आम जन सामान्य की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा जिले की संपूर्ण सीमा क्षेत्र में सोशल मीडिया एवं ड्रोन संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश में उल्लेख है कि विदिशा जिले की सीमाओं के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरित ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्व किसी प्रकार के उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और ना ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेंगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ, एसिड अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नही करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। विदिशा जिले की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण, प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना व ऐसी अफवाहे नही फैलायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही सोशल मीडिया पर किसी प्रकार का ऐसा धार्मिक शब्द या प्रतीक चिन्ह का प्रयोग करेगा, जिससे किसी भी समुदाय को धार्मिक ठेस पहुंचे अथवा समाज मे विद्वेष की भावना जागृत हो, यह कृत्य दण्डनीय अपराध है।

विष्णु महायज्ञ का हुआ समापन प्रसादी ग्रहण करने लगा तांता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर से 12 किलोमीटर दूरी पर स्थित तीर्थ स्थल देवपुर धाम में चल रहा है 108 कुंडिये विष्णु महायज्ञ का सोमवार को यज्ञ में पूर्ण होती के बाद समापन हो गया इसके बाद डेढ़ साल तक पर शादी करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। क्षेत्र की समृद्धि उन्नति की कामना को लेकर 108 कुंडी विष्णु महायज्ञ का आयोजन हो जा रहा था। जिसमें यजवनो के द्वारा आहुतियां छोड़ी जा रही थी समापन पर पूर्ण आहुति के उपरांत माह आरती संतों नवकन्या पूजन के बाद कन्या भोज प्रारंभ हुआ इसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की।

एसडीईआरएफ ने आपदा मित्र, सिक्योरिटी गार्ड एनसीसी 14 बीएन को दिया सुरक्षा का प्रशिक्षण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा देश की बाह्य एवं आंतरिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विदिशा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में रविन्द्र भवन ऑडिटोरियम परिसर में विशेष प्रशिक्षण सत्र के तीसरे दिवस एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) टीम द्वारा 103 आपदा मित्रों, सिक्योरिटी गार्ड एवं एनसीसी 14 बीएन को आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन की सहायता के लिए आवश्यक तकनीकी व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

जिला सेनानी मयंक कुमार जैन एवं पीसी सरिता इक्का, एएसआई लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा और उनकी एसडीईआरएफ टीम ने आपदा मित्रों को सीएस एस आर,

एमएफआर, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, हवाई हमले के बाद बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदा मित्रो, सिक्योरिटी गार्ड एवं एनसीसी को विपरीत परिस्थितियों में जागरूक एवं सक्षम बनाना रहा, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर समाज सेवा में योगदान दे सकें।

इस दौरान अधिकारी सूबेदार मोरे गजानन उपस्थित रहे एवं आपदा मित्र भूपेंद्र शर्मा ने बताया कि देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए आपदा मित्रो को आपातकालीन परिस्थितियों में हवाई हमलों के दौरान की जाने वाली कार्यवाही, आमजन की सहायता करने के संबंध में जानकारी दी गई। जिससे वे देश सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम में भूतपूर्व होम गार्ड हवलदार नवल सिंह चैधरी, सर्प मित्र राजेश विश्वकर्मा, सीनियर सिक्योरिटी गार्ड रामपाल सिंह भी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

चिकित्सालय की सुविधाओं की जानकारी मरीजों से संवाद कर जानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने गत दिवस विदिशा के शासकीय मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा आकस्मिक विभाग, ओपीडी, रेडियोलोजी विभाग एवं रजिस्ट्रेशन का निरीक्षण कर सुधारात्मक निर्देश दिए। बाल्य एवं शिशु रोग विभाग की ओपीडी में ओटिस्म से ग्रसित बच्चों के लिए स्पेशल ओपीडी का निरीक्षण कर यहां क्रियान्वित कार्यो की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान यहां भर्ती मरीजों से भी चर्चा की और चिकित्सालय में दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। भर्ती मरीजों ने अवगत कराया कि मेडिकल कॉलेज में उचित उपचार मिल रहा है एवं भर्ती के समय भोजन भी मिलता है।

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाओं के निरीक्षण दौरान निर्देश दिए कि ओपीडी एरिया में मरीजों को पर्याप्त

वेटिंग चेयर रखी जाएं और मरीजों व उनके परिजनों की सहूलियत के लिए वार्डों में उपस्थित डॉक्टर, नर्स सहित अन्य स्टाफ के नाम और नंबर अंकित किए जाएं, ताकि मरीजों व उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉक्टर मनीष निगम, सह चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अविनाश लाघवे सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने कर्मचारियों के अवकाशों पर लगाया प्रतिबंध

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जारी एडवायजरी के तहत एक आदेश जारी कर जिले में भी अवकाशों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश अनुसार वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन द्वारा 13 प्रमुख विभागों के अधिकारियों - कर्मचारियों के अवकाशों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सामान्य प्रशासन के आदेश परिपालन में विदिशा जिले में भी जिन 13 विभागों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। तदनुसार लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग,गृह विभाग,उर्जा विभाग,नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग,सामान्य प्रशासन विभाग,जल संसाधन विभाग,परिवहन विभाग शामिल हैं।

कोहली के संन्यास पर दिल्ली के कोच का खुलासा

विराट इंग्लैंड दौरे के लिए तैयारी कर रहे थे

नई दिल्ली , एजेंसी

दिल्ली के मुख्य कोच सरनदीप सिंह विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले से काफी हैरान हैं। उन्होंने खुलासा किया कि दिग्गज बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे के लिए तैयारी कर रहे थे। बता दें कि, पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को लाल गेंद प्रारूप से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी।

दिल्ली के मुख्य कोच सरनदीप ने विराट के इस फैसले पर आश्चर्य जताया है। उन्होंने बताया कि जब विराट 12 साल बाद रणजी मुकाबला खेलने के लिए आए थे तब उन्होंने कहा था कि वह इंग्लैंड दौरे पर तीन-चार शतक लगाना चाहते हैं। सरनदीप ने जियो हॉटस्टार पर कहा, कोहली के संन्यास की घोषणा सुनकर मैं हैरान था। रणजी मैच से पहले मैंने उनसे बात की थी, उन्होंने कहा कि वह खेलना चाहते हैं और विकेट के बारे में भी बताया। उन्होंने काफी भागीदारी दिखाई, ऐसा मैंने किसी बड़े खिलाड़ी से नहीं देखा जो लंबे समय तक टेस्ट खेलने के बाद रणजी खेलने आता है। वह अभ्यास के लिए सुबह 9:15 बजे के बजाय 8:00 बजे मैदान पर आते थे और उन्होंने जिम भी किया।

विराट के फैसले से हर काई हैरान

इस दौरान सरनदीप ने बताया कि विराट ने इंग्लैंड में 2018 के अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की इच्छा जताई थी। इस दौरे पर विराट ने दो शतक और तीन अर्धशतकों की मदद से 593 रन बनाए थे। सरनदीप ने आगे कहा- वह इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि वह इंग्लैंड में 2018 के अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। हम उनकी तैयारी में देख सकते थे। हमने ऐसा कुछ नहीं देखा जिससे संकेत मिले कि वह टेस्ट से संन्यास लेना चाहते हैं। अब, हर कोई हैरान है। विराट को खुद ही इसका कारण पता होगा। दिल्ली टीम के मुख्य कोच सरनदीप ने दावा किया कि विराट भारत ए के लिए दो मैच खेलने की योजना बना रहे थे।

विराट के संन्यास पर बोले बचपन के कोच राजकुमार?

करियर के सर्वश्रेष्ठ पड़ाव पर संन्यास लेकर पेश की मिसाल

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। विराट के फैसले पर अब उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कोहली ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पड़ाव पर टेस्ट से संन्यास लेकर एक उदाहरण पेश किया है।

राजकुमार शर्मा ने कहा- उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहकर मिसाल कायम की है। हमने अक्सर देखा है कि हमारे क्रिकेटरों का संन्यास अच्छा नहीं होता, लेकिन हर कोई इस तरह संन्यास लेना चाहेगा। वह काफी क्रिकेट खेल सकता था, उसके अंदर अभी बहुत क्रिकेट बचा है। लेकिन विराट का स्टाइल हमेशा ही ऐसा रहा है। कोहली को भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान होने का गौरव प्राप्त है जिन्होंने टीम को 68 में से 40 मैच में जीत दिलाई। भारत के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि बुधवार को नियमित कप्तान रोहित ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया था। एक हफ्ते के अंदर दो दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास से फैंस सदमे में हैं। इसी के साथ भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक अध्याय का अंत हो गया। भारत को इंग्लैंड का दौरा अगले महीने करना है। इस दौरान टीम पांच मैचों की

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलेंगे

विराट अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। वह पिछले साल टीम इंडिया के टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। कोहली ने कुल मिलाकर 123 टेस्ट खेले और इसकी 210 पारियों में 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। इसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट करियर में कोहली ने कुल 1027 चौके और 30 छक्के लगाए। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 125 मैचों में 48.7 की औसत और 137.05 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए। इसमें एक शतक और 38 अर्धशतक भी शामिल हैं।

डीजीएमओ ने कहा- विराट कोहली मेरे भी पसंदीदा; थॉमसन और लिली का उदाहरण देकर दुनिया को दी चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। दिग्गज खिलाड़ी के इस फैसले की चर्चा भारतीय डीजीएमओ राजीव घई ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। कई भारतीयों की तरह वो मेरे भी पसंदीदा हैं। भारतीय डीजीएमओ राजीव घई.ने कहा- मैं आपको इस उदाहरण के जरिये से एक ये एस्पेक्ट हाइलाइट करना चाहता हूं। जब मैं स्कूल में था तो तकरीबन तब ये 1970 का दशक था। उस समय इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच में एशेज सीरीज चल रही थी। आज शायद क्रिकेट की बात भी करनी चाहिए क्योंकि मैं देख रहा था कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कई भारतीयों की तरह वह मेरे भी पसंदीदा क्रिकेटर हैं। तो 1970 के दशक में एशेज सीरीज चल रही थी। उस समय ऑस्ट्रेलिया के दो बहुत तेज गेंदबाज जिनका क्रिकेट के इतिहास में बहुत बड़ा नाम है- जेफ थॉमसन और डेनिस लिली। उन्होंने अंग्रेजी बल्लेबाजी और उनकी बल्लेबाजी लाइन अप को तहस नहस कर दिया था। ऑस्ट्रेलियाई ने उस समय एक कहावत निकाली थी- राख से राख और धूल से धूल तक अगर थॉमसन नहीं कर पाते हैं तो लिली जरूर कर देंगे। राजीव घई ने पाकिस्तान के साथ-साथ दुनिया को चेतावनी देते हुए कहा- अगर आप इस लेयर को देखेंगे तो आप समझ जाएंगे कि मैं थॉमसन और लिली के उदाहरण से क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं।

सीजफायर की घोषणा: पोंटिंग विमान से उतरे, विदेशी खिलाड़ियों को भी रोका

नई दिल्ली , एजेंसी

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम लागू होने पर स्वदेश के लिए उड़ान भरने वाले थे लेकिन वह अंतिम समय में विमान से उतर गए। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के पास ऑस्ट्रेलिया वापस जाने का विकल्प था लेकिन उन्होंने चिंतित यात्रियों से भरे विमान से अंतिम समय में उतरने का फैसला किया। पोंटिंग दिल्ली में ही रुके और उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पंजाब किंग्स के विदेशी खिलाड़ी शनिवार रात राष्ट्रीय राजधानी से उड़ान नहीं भरें जो दो परमाणु-सशस्त्र देशों के बीच युद्ध की संभावना को देखते हुए चिंतित थे।

पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश मेनन ने विश्व कप विजेता कप्तान द्वारा विदेशी खिलाड़ियों के पूरे ग्रुप से की गई प्रेरणादायी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि यह पोंटिंग का व्यक्तित्व दर्शाता है। केवल वही ऐसा कर सकते थे। आईपीएल का 8 मई को मैच रद्द होने के बाद धर्मशाला से दिल्ली तक की ट्रेन यात्रा करने वाले खिलाड़ियों के ग्रुप में मार्कस स्टोइनिस, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस और जेवियर बार्टलेट (सभी ऑस्ट्रेलिया से) शामिल थे।

टीम के एक सूत्र ने कहा कि विदेशी खिलाड़ियों को

इस तरह की स्थिति (युद्ध जैसी स्थिति) की आदत नहीं है।

इसलिए उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। स्टोइनिस के नेतृत्व में वे सभी जल्द से जल्द निकलना चाहते थे और ऐसा होना स्वाभाविक भी था। लेकिन पोंटिंग ने उन्हें युद्ध विराम के बाद भी यहीं रहने के लिए मना लिया, जो मुझे लगता है कि शानदार है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन ही भारत से जाने से वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं जो अंतिम एकादश में शामिल थे। लेकिन वह दुबई में हैं और थोड़ी ही दूरी पर है। आईपीएल के फिर से शुरू होने की घोषणा होने वाली है तो पंजाब अच्छी स्थिति में है क्योंकि उसके अधिकांश स्टार भारतीय और विदेशी खिलाड़ी पहले से ही देश में हैं।

थाईलैंड ओपन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखना है आयुष और उन्नति का लक्ष्य

बैंकॉक। युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा अपने हाल के शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे जबकि लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान अपनी लय हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। आयुष और उन्नति पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। लेकिन उन्हें यहां मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए क्वालीफाइंग दौर से गुजरना होगा। आयुष अपने शुरुआती क्वालीफाइंग मैच में फिनलैंड के जोकिम ओल्डोर्फ से भिड़ेंगे जबकि उन्नति का सामना महिला एकल क्वालीफायर में थाईलैंड की थामोनवान निथिटिकराई से होगा। वहीं सेन मुख्य ड्रॉ में आयरलैंड के नहत गुयेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पूर्व राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सेन अपनी फिटनेस को परखने के लिए उत्सुक होंगे, क्योंकि चोट के कारण वह सुदीरमन कप में कोई भी मैच नहीं खेल पाए थे।

विश्वनाथन आनंद का मुकाबला 11 वर्षीय फॉस्टिनो ओरो से इटली में

पिएत्रासांता, इटली , एजेंसी

पांच बार के विश्व शतरंज चैम्पियन विश्वनाथन आनंद आगामी जून में इटली में आयोजित होने जा रहे प्रतिष्ठित शतरंज समारोह 'चेस रोड्स' के मुख्य आकर्षण होंगे। यह आयोजन 2 से 15 जून तक ला वर्सिलियाना, पिएत्रासांता में आयोजित किया जाएगा, जिसमें एशिया और यूरोप के 40 दुर्लभ और ऐतिहासिक शतरंज सेट प्रदर्शित किए जाएंगे। इस आयोजन का सबसे बहुप्रतीक्षित क्षण 1 जून को होगा, जब आनंद का मुकाबला 11 वर्षीय अर्जेंटीनी चमत्कार बालक फॉस्टिनो ओरो से होगा। यह मुकाबला 'पीढ़ियों की टक्कर' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है और इसका सीधा प्रसारण भारत में चैसइंडिया द्वारा किया जाएगा, जिससे दुनिया भर के लाखों दर्शक इसे देख सकेंगे।

इस मुकाबले का ऐतिहासिक महत्व भी है। फॉस्टिनो ओरो का जन्म अक्टूबर 2013 में हुआ था, और उस समय तक विश्वनाथन आनंद पहले ही पाँच बार विश्व चैम्पियन बन चुके थे—वर्ष 2000, 2007, 2008, 2010 और 2012 में। उस दौर में आनंद विश्व चैंपियनशिप में मैग्नस कार्लसन के खिलाफ अपने खिताब की रक्षा की तैयारी कर रहे थे। आनंद का करियर आधुनिक शतरंज के इतिहास में एक मील का पत्थर है। तेज गति और गहरी समझ के लिए जाने जाने वाले आनंद तीनों प्रारूपों—नॉकआउट, टूनार्मेंट और मैच—में विश्व खिताब जीतने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं।

वे भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के युवा शतरंज खिलाड़ियों के प्रेरणास्त्रोत हैं। दूसरी ओर, फॉस्टिनो ओरो को अर्जेंटीना में शतरंज का मेस्सी कहा जाता है। उन्होंने 2024 में मात्र 10 वर्ष की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब हासिल कर इतिहास रच दिया। वे कई शीर्ष ग्रांडमास्टर्स को ऑनलाइन मुकाबलों में मात दे चुके हैं और आज के सबसे होनहार बाल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। यह आयोजन यूनीचेस द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विख्यात गायक आंद्रे बोचेली और ग्रांडमास्टर रॉबर्टो मोग्रांजिनी की अहम भूमिका है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

गोविंदा को काम नहीं मिलने पर परेशान पत्नी सुनीता, पूछा- घर पर क्यों बैठे हो?

गोविंदा बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर रहे हैं। एक वक्त था जब एक के बाद एक उनकी फिल्में आती थीं। उनकी फिल्मों की लोग खूब तारीफ करते थे। 1990 के दशक में गोविंदा काफी एक्टिव थे। लेकिन आज गोविंदा को काम नहीं मिल रहा है। इस पर उनके परिवार के लोग खास कर उनकी पत्नी सुनिता आहूजा परेशान हैं। उनके बच्चे टीना और यशवर्धन उन्हें स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनीता ने बताया कि गोविंदा का परिवार उन्हें दोबारा स्क्रीन पर देखना चाहता है। बातचीत में सुनीता ने कहा मैं हमेशा गोविंदा से कहती हूं कि आप एक लीजेंड स्टार हो, आप 90 के राजा थे। आज की जेनेरेशन भी आपके गानों पर डांस करती है। फिर आप घर पर क्यों बैठे हो? आपकी उम्र के बाकी एक्टर अनिल कपूर, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सब काम कर रहे हैं। आप क्यों नहीं करते? सुनीता ने आगे कहा मैं और मेरे बच्चे उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं। आप जिस कंपनी और दोस्तों के साथ घूम रहे हैं, वे आपके लिए अच्छा नहीं कह रहे हैं, बस हां में हां मिलाते हैं। उनका इरादा आपके लिए अच्छा नहीं है। मैं उसके इन तथाकथित दोस्तों से कहना चाहती हूं- गोविंदा आपकी आर्थिक मदद भी करते हैं, आप उन्हें सही रास्ता क्यों नहीं दिखाते? मैं उनसे कहती हूं अच्छे लोगों के साथ उठो बैठो। हमें दुख होता है कि इतना बड़ा कलाकार घर पर बैठा है।

सिंगर का एक्टर होना बहुत जरूरी है, यह रफी साहब से सीखा, बोले अभिजीत भट्टाचार्य

शाहरुख खान और सुष्मिता सेन अभिनीत फिल्म मैं हूं ना का तुम्हें जो मैंने देखा सॉन्ग काफी लोकप्रिय है। इसे इन्हीं दोनों सितारों पर फिल्माया गया है। फराह खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का यह चर्चित गाना अभिजीत भट्टाचार्य और श्रेया घोषाल ने गाया। अभिजीत का कहना है कि यह गाना बिना तैयारी के उन्होंने गाया। अगर पहले कुछ तैयारी हो जाती तो और ऐतिहासिक होता।

पहले से तैयारी करके आता तो और ऐतिहासिक होता- अभिजीत का कहना है, अगर फटाफट की जगह पहले से तैयारी करके आते तो यह गाना इससे भी बड़ा ऐतिहासिक होता। उन्होंने बातचीत में कहा, मैंने अनु मलिक जी के साथ भी काम किया है। वे मुझसे तीन-तीन चार-चार दिन पहले से ही कहते यह गाना बन रहा है। आ जाओ रिहर्सल पर। अगर मुझे इस गाने को भी पहले से बुलाकर रिहर्सल करने को बोला होता तो और अच्छा होता। यह गाना मुझे सेट पर अचानक बुलाकर गवाया। मैं बहुत सक्षम हूं। लेकिन, फटाफट की जगह पहले से तैयारी करके आते तो यह गाना और ज्यादा ऐतिहासिक होता।

बोले- फराह खान वेरी गुड बोल रही थीं- अभिजीत ने सिंगिंग की दुनिया में काम करने को कहा कि अभी बहुत एडवांस हो गया है, लेकिन पहले हम बहुत पिछड़े थे ऐसा नहीं है। तुम्हारी औकात नहीं है करने की कि एक साथ म्यूजिशियन इंस्ट्रूमेंट्स बजा रहे हैं। मैंने वो दौर भी देखा और इस दौर में भी काम कर रहा हूं। थैंक गॉड कि मैं उस दौर में भी था। तुम्हें जो मैंने देखा बहुत जल्दी गा दिया मैंने। हर लाइन पर फराह खान वेरी गुड वेरी गुड बोल रही थीं। वह तो बोलेंगी कि क्योंकि उन्हें थोड़ी फर्क मालूम था। मैंने कहा ऐसे मत करो, गाने दो मुझे आराम से।

श्रेया और मैं रिहर्सल करते

अभिजीत ने आगे कहा, इस गाने में ऐसा नहीं है कि यह रोमांटिक है। यह बहुत चुलबुला गाना है। सिंगर्स को गाने की पूरी स्टोरी नहीं बताते। बस यही है कि पहले से अगर रिहर्सल की होती तो...। मैं और श्रेया एक साथ गाते। उस टाइम श्रेया बिल्कुल फ्रेश आई थी। शायद देवदास से ही आई थी। उस टाइम उससे गाना गवा के छोड़ दिया। अगर हम दोनों एक साथ होते तो बहुत कुछ हो सकता था। कोई मौका ऐसा नहीं मिला। लेकिन यह गाना ऐसा था कि हिट हो गया। अभिजीत ने आगे कहा, सिंगर को एक्टर होना बहुत जरूरी है। शायद यह रफी साहब ने सिखाया और किशोर कुमार ने सिखाया। सिंगर को सिंगिंग में एक्टिंग देना ही पड़ेगा। बाद में हमने उनको फॉलो किया। अब सिर्फ एक्टिंग ही एक्टिंग होती है। सिंगिंग बहुत कम होती है। स्थापित सिंगर्स की बात नहीं कर रहा। बाकी लोग एक्टिंग करते हैं। कितना सिखाओगे किसी को।

मेट्रो बाजार

अमेरिका, चीन अधिकतर शुल्क पर 90 दिन की रोक लगाएंगे

जेनेवा। अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने की सोमवार को जानकारी दी। अमेरिका अधिकारियों ने बताया कि दोनों देश अपने व्यापार विवादों को हल करने के लिए बातचीत जारी रखने के समझौते पर पहुंच गए हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क दर को घटाकर 30 प्रतिशत करने पर जबकि चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर अपनी दर को घटाकर 10 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की है। ग्रीर और अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने जेनेवा में संवाददाता सम्मेलन में शुल्क कटौती की घोषणा की। दोनों अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपने व्यापार मुद्दों पर चर्चा जारी रखने

की रुपरेखा तैयार की है। दो दिन की वार्ता के बाद संवाददाता सम्मेलन में बेसेंट ने कहा कि उच्च शुल्क स्तर से दोनों पक्षों के सामान पर पूरी तरह रोक लग गई ऐसा परिणाम कोई भी पक्ष नहीं चाहता। बेसेंट ने कहा, '' इस सप्ताहांत दोनों प्रतिनिधिमंडलों की आम सहमति यह है कि कोई भी पक्ष अलगाव नहीं चाहता है। इन उच्च उच्च शुल्क से जो हुआ ... वह अवरोध के बराबर था। कोई भी पक्ष ऐसा नहीं चाहता। हम व्यापार चाहते हैं। हम अधिक संतुलित व्यापार चाहते हैं। मुझे लगता है कि दोनों पक्ष इसे हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने चीन पर अमेरिकी शुल्क को बढ़ाकर 145 प्रतिशत कर दिया था और चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी आयात पर 125 प्रतिशत का शुल्क लगाया था। इतने अधिक शुल्क का मतलब है कि दोनों देश एक-दूसरे के उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं जिससे व्यापार बाधित हो रहा है, जो पिछले वर्ष 660 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक था।

बदले हालात में सहकारिता क्षेत्र के लिए नया कानून लाने की जरूरत, नितिन गडकरी

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उभरती आर्थिक स्थितियों के अनुरूप सहकारी प्रतिष्ठानों को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन की जरूरत पर बल दिया। गडकरी ने यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि सहकारिता क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की वित्तीय स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को सुझाव दिया कि वह राज्य में उभरती आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के लिए एक नया कानून बनाए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक असंतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विनिर्माण क्षेत्र का योगदान 22-24 प्रतिशत है जबकि सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान के साथ सर्वाधिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) जुटाता है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्र 60 प्रतिशत आबादी को रोजगार देने के बावजूद केवल 12 प्रतिशत ही योगदान देता है।

गडकरी ने कहा, ''ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, नौकरियों और सुविधाओं की कमी होने से लगभग 30 प्रतिशत लोग मजबूरी में शहरों की ओर पलायन कर गए हैं। उन्होंने डेयरी क्षेत्र को ग्रामीण आबादी की आय बढ़ाने का मॉडल बताते हुए कहा, ''सहकारी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान और उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही गडकरी ने खाद्यान्न प्रसंस्करण में शामिल किसान-उत्पादक कंपनियों के सामने आने की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धन होगा और ग्रामीण रोजगार पैदा होगा।

ट्रैफिक सिग्नल पर बेकाबू बस की चपेट में आने से बुजुर्ग व्यापारी गंभीर

राजधानी में दौड़ रही अनफिट बसें, सिर्फ हादसों के बाद ही होती है बसों की जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर में बाणगंगा चौराहा पर ट्रैफिक सिग्नल पर हुए हादसे में युवती की मौत के अलावा पांच लोगों के घायल होने की जानकारी अस्पताल से पुलिस को मिली है। दो तीन लोगों को मामूली चोट होने के कारण उनकी जानकारी पुलिस तक नहीं पहुंच सकी। घायलों में दो लोग गंभीर है। इनमें भेरूंदा के एक बुजुर्ग व्यापारी को भी गंभीर चोट आई है। उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, बुजुर्ग व्यापारी अपने भाई को देखने निजी अस्पताल आए थे। अब वह खुद अस्पताल में मौत और जिंदगी के बीच संघर्ष कर रहे हैं। हादसे में उनके शरीर पर दाहिने तरफ गंभीर चोट आई है। उनके भतीजे ज्ञान प्रकाश ने बताया कि हादसे के बाद से ही वह कुछ बोल नहीं पा रहे हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक है। जानकारी के अनुसार जय प्रकाश लखेरा (58) शास्त्री वार्ड भैरूंदा में रहते हैं और व्यापारी है। उनके ब? भाई की हार्ट सर्जरी हुई हैं और वह चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती हैं। जय प्रकाश अपने भाई को देखने अस्पताल आए थे। सोमवार सुबह वह परिचित को लेने उनके घर जा रहे थे, तभी बाणगंगा चौराहा पर अन्य वाहनों के साथ उनकी स्कूटर को भी बस ने चपेट में ले लिया था। हादसे के बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कैब चालक को सीने में आई गंभीर चोट

बेकाबू बस ने स्विफ्ट डिजायर कार को भी पीछे से टक्कर मारी थी। इस हादसे में शैतान सिंह चौराहा निवासी 50 साल के गुरुचरण को चोट आई है। जबकि उनकी कार आगे अन्य वाहन से टकराने के कारण बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। शैतान सिंह ने बताया कि वह सिग्नल खुलने का इंतजार कर रह रहे थे, तभी एकाएक बस धमाके की आवाज आई और उनका सीना स्टेयरिंग से टकरा गया। कार में पीछे डिक्की के पास टक्कर लगी थी। टक्कर लगने से उनकी कार सामने खड़ी अन्य कार में जाकर भि? गई और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है।

एमपी नगर में भी बेकाबू बस ने बाइक सवार दो युवकों रौंदा था

इस हादसे में 28 साल के फिरोज खान निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करोंद और 50 साल के रईस खान निवासी रशिदिया स्कूल के पास भोपाल को चोट आई है। दोनों मजदूरी करते हैं।

बिना फिटनेस दौड़ रही बसें, आरटीओ नपे

बाणगंगा चौराहे पर जिस स्कूल बस ने सिग्नल पर लोगों को रौंदा, वह पिछले दो साल से बिना फिटनेस के दौड़ रही थी ।फिटनेस 28 नवंबर 2023 व इंश्योरेंस नवंबर 2024 में खत्म हो चुका था। बस आईपीएस स्कूल की थी। इस मामले में संभाग आयुक्त संदीप सिंह ने आरटीओ जितेंद्र शर्मा को सस्पेंड कर दिया है। बस चालक व स्कूल संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हादसे में मृत आयशा के पिता इंडियन बैंक की जबलपुर शाखा में मैनेजर हैं। कल वह भोपाल से जबलपुर निकले थे कि रास्ते में थाने से कॉल आया- 'आपकी बेटी का एक्सीडेंट हुआ है।' उधर, मां इस बेटी की शादी के कार्ड बांटने निकली थीं। दरअसल, राजधानी की सड़कों पर बेखौफ अनफिट बसें दौड़ रही है। इसकी प्रमुख वजह आरटीओ की बेरुखी है। बता दें जब कभी बड़ा हादसा होता है तो आरटीओ चेकिंग में जुट जाता है। खानापूर्ति होने के बाद बसें फिर सड़कों पर दौड़ने लगी है और लोगों के लिए जान का खतरा बन जाती है। 29 नवंबर 2024 में भी अनफिट बस के ब्रेक फेल होने से दो युवाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इसके बाद आरटीओ ने बसों की चेकिंग शुरू की थी।

वाहन स्वामी और खरीदार दोनों को पुलिस ने बुलाया

टीटी नगर पुलिस ने उक्त मामले में बस के मालिक को पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया कि उक्त बस उन्होंने पिछले महीने प्रवेश नागर को बेच दी थी। उनके और नागर के बीच अनुबंध भी हुआ था। अनुबंध के आधार पर पुलिस ने प्रवेश नागर को भी पूछताछ के लिए थाने बुलाया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है कि बिना बीमा और फिटनेस के बस सड़क पर कैसे चलाई जा रही थी।

16 साल की किशोरी से मनचले ने की छेड़छाड़

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र में 16 साल की किशोरी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घर पहुंचे आरोपी ने उससे छेड़छाड़ की। मां की समझाइश के बाद भी आरोपी की हरकत नहीं सुधरी तो मां बेटी थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई कराई। पुलिस के अनुसार 16 साल की किशोरी इलाके में अपनी मां के साथ रहती है। वह महज आठवीं कक्षा तक पड़ी है। मां इलाके में ही सब्जी का ठेला लगाती है। उसके ठेले के बगल में आरोपी विपिन खटीक का भाई ठेला लगाता है। लिहाजा नाबालिग से उसकी पहचान थी। शुक्रवार रात नाबालिग घर में अकेली थी, तभी आरोपी उसके घर पहुंचा और उसे कहना लगा कि मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। नाबालिग ने शोर मचाया तो आरोपी घर से चला गया। नाबालिग ने घटना की जानकारी अपनी मां को दी। मां ने विपिन और उसके भाई को समझाइश दी। रविवार को एक बार फिर आरोपी नाबालिग के घर पहुंच गया और उसे शादी की बात कहने लगा। नाबालिग घर से मां के पास पहुंची तो आरोपी भी उसके पीछे पहुंच गया। मां ने समझाइश देने की कोशिश की तो आरोपी ने नाबालिग का हाथ पकड़कर उससे झूमाझटकी कर दी। मां बेटी को लेकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

बुजुर्ग दंपति का बैग झपटने वाले नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

हमीदिया रोड पर चार दिन पहले स्कूटी सवारों ने झपट्टा था बैग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज पुलिस ने चार दिन पहले हमीदिया रोड पर बुजुर्ग दंपति से बैग झपटने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें एक नाबालिग है। आरोपियों के कब्जे से सोने का हार, चार हजार रुपए नगद व वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी समेत सवा लाख रुपए का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी टीला जमालपुरा निवासी पुरुषोत्तम साहू (61) विगत सात मई अपनी पत्नी के साथ हमीदिया रोड होते हुए जा रहे थे। उसी दौरान स्कूटी सवार दो बदमाश उनके हाथ से बैग झपट कर फरार हो गए। बैग में सोने का एक हार व नगदी समेत हजारों का सामान रखा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए। मुखबिर तंत्र भी सक्रिय कर दिया गया। इस बीच विगत 11 मई को सूचना मिली कि झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले हुलिए के दो लडके पुट्ठा मिल कॉलोनी के पास खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों लडकों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने पर एक आरोपी ने अपना नाम इरशाद खान (18) निवासी मोती नगर ओल्ड सुभाष नगर ऐशबाग का होना बताया जबकि दूसरा बाल अपचारी निकला। दोनों ने उक्त वारदात को

अंजाम देना कुबूल किया। खुलासा होने पर पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया सोने का हार व चार हजार रुपए नगद समेत वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी बरामद कर ली। आरोपियों ने अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

शादी से लौट रही महिला से बाइक सवारों ने झपटा मंगलसूत्र

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र में तरावली जोड़ पर पति के साथ बाइक से जा रही महिला का मंगलसूत्र बाइक सवार अज्ञात दो बदमाशों ने झपट लिया। घटना के समय दंपती एक शादी में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी नजर नहीं आ रहे हैं। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि कस्बा बैरसिया निवासी पुरुषोत्तम साहू प्राइवेट काम करते हैं। रविवार रात वह एक शादी समारोह में शामिल होने अपनी पत्नी उर्मिला साहू (45) के साथ मधुबन मैरिज गार्डन गए हुए थे। रात करीब सवा 12 बजे दंपति मैरिज गार्डन से अपने घर आने के लिए रवाना हुए। उसी दौरान तरावली रोड पर मंडी के पीछे वाले गेट के पास पीछे से बाइक सवार होकर आए दो बदमाशों में से एक बदमाश ने उर्मिला साहू के गले में लटका मंगलसूत्र झपट लिया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। हालांकि पुरुषोत्तम साहू ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास भी किया लेकिन आरोपी से तेजी से गाड़ी चलाते हुए निकल गए।

धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज

युवती ने धर्म परिवर्तन करने से किया इनकार तो प्रेमी ने दोस्त के साथ पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक युवती के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर उस पर शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। इतना ही नहीं पीड़िता के मना करने पर आरोपी और उसके दोस्त ने पीड़िता के साथ जमकर मारपीट भी कर दी। जिसके बाद पीड़िता ने परिवार के साथ थाने पहुंच कर मामले में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज आरोपी और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया है कि आरोपी शैरोन एडवर्ड नर्मदापुरम के सोहागपुर का रहने वाला है। वो पीड़िता के भाई का दोस्त था जिसके चलते पीड़िता को वो पहले से जानता था और उसका पीड़िता के घर पर भी आना जाना था। इसी के चलते आरोपी शैरोन एडवर्ड का पीड़िता से प्रेम प्रसंग हो गया और फिर पीड़िता के साथ आरोपी ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। उस दौरान आरोपी ने पीड़िता को शादी

का वादा किया था लेकिन धर्म परिवर्तन की कोई बात नहीं की थी। 7 से 8 महीने तक चले रिश्ते के बाद आरोपी ने पीड़िता को शादी का कहा और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। इसके लिए वो अपने एक दोस्त के साथ उसके घर पहुंच गया। जब पीड़िता ने अपना धर्म परिवर्तन करने से मना कर दिया तो आरोपी शैरोन एडवर्ड ने अपने दोस्त अमोद के साथ मिल कर पीड़िता के साथ मारपीट की और उसे धर्म परिवर्त के लिए मजबूर किया। इसके बाद पीड़िता ने तंग आकर घटना अपने परिवार को बताई। परिवार ने पुलिस को पुलिस को शिकायत की जिसके बाद पुलिस ने मामले में आरोपी और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तीसरे दोस्त को लेकर भी जांच की जानकारी

इस मामले में आरोपी के एक और दोस्त की भूमिका की पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार ये बात भी सामने आई है आरोपी के किसी तीसरे दोस्त की भी इसमें भूमिका थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस मामले में अब तक किसी तरह के रैकेट की बात सामने नहीं आई है हालांकि अभी जांच चल रही है और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जांच चल रही है...

मामला संज्ञान में आया था जिसके बाद पीड़िता के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी और उसके एक साथी को मामले में गिरफ्तार किया गया है आगे की जांच की जा रही है।

– संजय अग्रवाल, डीसीपी, जोन 2

मेट्रो एंकर फर्जी बिल्डर बनकर प्लाट और मकान बेचने के नाम पर 35 से अधिक लोगों से ठगी

करोड़ों रु.की जालसाजी करने के बाद फरार आरोपी गिरफ्तार, 20 स्थाई वारंटों में थी पुलिस को तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्लाट और मकान बेचने के नाम पर 35 से अधिक लोगों से करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को टीला जमालपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। टीला जमालपुरा, शाहजहांनाबाद, एमपी नगर, गौतम नगर व हबीबगंज समेत अन्य थानों के करीब 20 स्थाई वारंटों में पुलिस को आरोपी की तलाश थी। करीब 3 साल से आरोपी पुलिस को चकमा दे रहा था। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात पुलिस ने टीला जमालपुरा क्षेत्र से आरोपी को दबोच लिया।

थाना प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि सांई प्रगति बिल्डर्स एंड डवलपर्स के प्रोपराइटर वारंटी शादाब उर्फ सादिक खान (42) निवासी ईडन हाइट्स रेजीमेंट रोड थाना टीला जमालपुरा के खिलाफ कुल 20 स्थाई वारंट कोर्ट ने जारी किए थे। पुलिस करीब तीन साल से आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही थी। इसी तारतम्य में विगत 11-12 मई की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली कि वारंटी शादाब खान अपने घर के पास आम वाली मस्जिद के सामने खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाना टीलाजमालपुरा के पांच स्थाई वारंट, थाना शाहजहांनाबाद के तीन स्थाई वारंट और थाना एमपी नगर के पांच स्थाई वारंट में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। अन्य वारंटों में थाने सीधे वारंट के साथ कोर्ट उपस्थित होकर कार्रवाई करना बताया गया।

आरोपी ने प्लाट और मकान बेचने के नाम पर लगाया था चूना

पुलिस ने बताया कि आरोपी शादाब खान ने श्री सांई प्रगति बिल्डर्स एंड डेवलपर्स नाम से ऑफिस खोल रखा था। लोगों को प्लाट व मकान बेचने के नाम पर आरोपी ने लोगों से चार से लाख रुपए तक ले रखे थे। पैसे लेने के बाद आरोपी प्लाट अथवा जमीन लोगों को उपलब्ध नहीं कराता था बल्कि पैसा लेकर रफूचक्कर हो जाता था। विभिन्न थानों में फरियादी लेकर पहुंचे पीड़ितों का कहना है कि आरोपी शादाब ने उन्हें चेक दिए थे लेकिन सभी चेक बैंक से बाउंस हो गए।

जुबैर मौलाना के गुर्गों की तलाश में धरा गया

पुलिस की अलग-अलग टीमें कुख्यात बदमाश जुबैर मौलाना के गुर्गों की तलाश में लगी थी। उसी तारतम्य में देर रात आरोपी शादाब के बारे में सूचना मिल गई और पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब तीन साल से वह रायसेन, औबेदुल्लागंज, नसरूल्लागंज व सिलवानी आदि जगहों पर रहने वाले अपने रिश्तेदारों के ठिकानों पर रहकर फरारी काट रहा था। पुलिस का कहना है कि करीब 10 मामलों में आरोपी को सजा हो चुकी है जबकि इतने ही मामलों में आरोपी के खिलाफ स्थाई वारंट जारी हुए हैं।

अवैध डीजल, पुलिस ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक घनी बस्ती में अवैध तरीके से बड़ी मात्रा में डीजल को स्टोर किया जा रहा था। एक छोटे से किराए के कमरे में करीब 385 लीटर डीजल स्टोर किया गया था।

गांधीनगर पुलिस को इसकी जानकारी मिली तो पुलिस ने रेड कर डीजल को जप्त किया और मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गांधी नगर थाना प्रभारी सुरेश फरकले ने बताया है ग्वाला बाब बस्ती एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है पुलिस को डीजल के स्टोर किए जाने की जानकारी मिली जिसके बाद मामले में शाहिद अली और महबूब खान को गिरफ्तार किया गया है। जो डीजल इनके पास से मिला है वो डीजल ये लोग कई ट्रेवल्स की बसों के ड्राइवर से खरीदते थे। इसके अलावा इस एंगल पर भी जांच की जा रही है कि क्या ये लोग किसी शासकीय वाहनों से चोरी किए गए डीजल को भी खरीदते थे या नहीं। वहीं पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि कब ये लोग अवैध डीजल का कारोबार कर रहे है और कितने लोग इसके साथ शामिल है। वहीं पुलिस का कहना है कि जिस तरह से इन लोगों ने एक घनी बस्ती में डीजल को स्टोर किया था किसी भी हादसे के दौरान ये लोगों की जान के लिए भी खतरा था और इसके तहत भी आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022